website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 129 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 19 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी विधायक के ठिकानों पर आईटी का छापा

- ममता बोलीं-भाजपा चाहे जितनी साजिश रच ले, उसकी हार होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शुक्रवार को आयकर विभाग ने टीएमसी विधायक देबाशीष कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने सुबह करीब 6 बजे मणोहरपुकुर रोड स्थित उनके घर और

ऑफिस पर तलाशी की। देबाशीष कुमार दक्षिण कोलकाता की राशबेहारी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें कई बार तलब किया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कूच बिहार की सभा में कहा- हमारे पार्टी कार्यालयों, कैंडिडेट के घरों तक पर छापेमारी हो रही है लेकिन, चाहे कितनी भी साजिश रच लें, भाजपा को हार का सामना करना ही होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूच बिहार की सभा में कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बैठक में कहा है कि उत्तर बंगाल में विकास विभाग में कोई प्रगति नहीं हुई है। मैं कहती हूं, आप प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं। हालांकि यह पद आपके लिए लंबे समय तक नहीं रहेगा। जब तक आप यहां हैं, कृपया कम झूठ बोलें।

बालाकोट, नोटबंदी, सिंदूर का जादूगर पकड़ा गया

- संसद में बोले राहुल गांधी, बिना नाम लिए पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा, 'यह महिला आरक्षण बिल महिलाओं को सशक्त नहीं बनाएगा। यह शर्मनाक कानून है, पुराना कानून लाओ हम समर्थन देंगे। यह सिर्फ भारत के निर्वाचन क्षेत्र के नक्शे को बदलने के लिए है।' उन्होंने कहा, भारत के इतिहास में यह सबसे कड़वा सच है। मैं इसके बारे में सब

जानता हूं। यह ओबीसी, दलित वर्गों के लिए क्रूरता वाला बिल है। सभी जानते हैं कि ओबीसी, दलित और महिलाओं के साथ क्या होता है। सरकार ओबीसी का अधिकार छीनना चाहती है। राहुल ने पीएम मोदी का नाम लिए बिना कहा- ऑपरेशन सिंदूर-नोटबंदी का जादूगर पकड़ा गया। इस पर एनडीए सांसदों ने विरोध किया। बोले- राहुल प्रधानमंत्री का अपमान कर रहे हैं। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने उनके विवादित शब्दों को कार्यवाही से हटा दिया।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को खोला कमर्शियल जहाज गुजर सकेंगे

- ट्रम्प बोले-शुक्रिया, भारत ने ईरान से 2,358 लोगों को निकाला

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी। यह फैसला लेबनान में सीजफायर के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुल गया है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारत ने अब तक ईरान से 2,358 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

आस्था और विश्वास समय के साथ बदलते हैं, कानून से नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 5वें दिन की सुनवाई जारी रही। याचिकाकर्ता की तरफ से एड्वोकेट राजीव धवन ने कोर्ट से कहा कि आस्था या विश्वास समय के साथ हमेशा बदलते रहते हैं। यह बदलाव सिर्फ किसी कानून के बन जाने से नहीं आता; बल्कि यह बदलाव तो लोगों के बीच से ही उभरकर आता है। इससे पहले 9 जजों की बेंच ने 15 अप्रैल की सुनवाई में कहा था कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। वहीं मंदिर प्रशासन त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कहा कि सबरीमाला कोई खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यहां के देवता ब्रह्मचारी हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है। सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता बोला-सबरीमाला केस में 5वें दिन भी हुई सुनवाई

अमेरिकी डॉलर को छोड़ चीन की करेंसी युआन में किया पेमेंट

ईरान से तेल खरीद पर भारत का 'बड़ा खेल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिफाइनर कंपनियों ने ईरान से खरीदे गए तेल का भुगतान चीनी मुद्रा युआन में किया है। यह पेमेंट ऐसे समय हुआ है जब ईरानी तेल खरीदने के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों में अस्थायी छूट मिली है। रॉयटर्स के मुताबिक यह पेमेंट मुंबई स्थित बैंक के जरिए किया गया, जिसने अपनी शंघाई शाखा के माध्यम से रकम ट्रांसफर की। भारतीय रिफाइनर्स ने सात साल बाद ईरान से तेल खरीदा है, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात इसका पेमेंट मोड है। भारत की सबसे बड़ी सरकारी रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने इस महीने की शुरुआत में 20 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल खरीदा।

यह तेल बड़े जहाज जया के माध्यम से आया। यह करीब 20 करोड़ डॉलर (करीब 1857 करोड़ रुपये) का सौदा था और पिछले सात वर्षों में भारत की पहली ईरानी तेल खरीद मानी जा रही है। अलावा निजी क्षेत्र की रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए भी चार जहाजों को भारतीय बंदरगाहों पर आने की अनुमति दी गई थी।

ईरान की तरफ से थीं पेमेंट की अनोखी शर्त

आमतौर पर भारतीय सरकारी कंपनियां तेल की डिलीवरी मिलने के बाद भुगतान करती हैं। लेकिन इस सौदे में कई शर्तें शामिल रहीं। ये इस प्रकार हैं: कंपनी ने तेल की कुल कीमत का 95 फीसदी हिस्सा तभी चुका दिया जब टैंकर भारतीय समुद्री सीमा में दाखिल हुआ। जानकारों के मुताबिक, प्रतिबंधों वाले देशों के साथ इस तरह की भुगतान व्यवस्था काफी असामान्य है। सूत्रों के अनुसार इंडियन ऑयल फिलहाल ईरान से और तेल खरीदने की योजना नहीं बना रही है। साल 2019 के बाद से भारत ने अमेरिकी दबाव के चलते ईरान से तेल लेना बंद कर दिया था। अब तक चीन की छोटी और स्वतंत्र रिफाइनरियां ही ईरानी तेल की मुख्य खरीदार रही हैं। वहीं अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिए हैं कि यह छूट अब आगे नहीं बढ़ाई जाएगी और ईरानी तेल पर प्रतिबंधों की छूट रविवार को समाप्त हो जाएगी।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भी रूस से तेल खरीद रहा भारत

- अधिकारी ने कहा-किसी पर निर्भर नहीं भारत, खुद तय करता है नीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने हाल ही में रूसी तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों को एक बार फिर लागू कर दिया है। इसके साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिन की मिली छूट खत्म हो गई है। हालांकि भारत इसके बाद भी रूस से कच्चे तेल और एलपीजी की खरीद जारी रखेगा। भारत सरकार से जुड़े सूत्रों ने साफ कहा है कि भारत की ऊर्जा आयात नीति पूरी तरह उसका अपना फैसला है और यह अमेरिकी प्रतिबंधों पर निर्भर नहीं है। मिंट ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि भले ही अमेरिका ने इस छूट को आगे नहीं बढ़ाया है।

लोकसभा में नहीं पास हो सका महिला आरक्षण बिल

- विपक्ष ने नहीं दिया साथ, पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान संशोधन बिल संसद में गिर गया। बिल के पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े। लोकसभा में 489 सांसदों ने वोट डाले। बिलों को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 489 का दो तिहाई 326 होता है। इस तरह बहुमत नहीं मिलने से ये बिल पास 54 वोट से गिर गया। 11 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा था कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। विपक्ष अगर वोट नहीं देगा तो बिल गिर जाएगा। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है। सरकार ने कहा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के कार्यान्वयन में तेजी लाना है। मंगलवार को केंद्र सरकार ने सांसदों के बीच ड्राफ्ट बिल बांटे। ये बिल महिलाओं के लिए आरक्षण कानून 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू करने और नए सिरे से परिसीमन करने से जुड़े हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल पर बहस का जवाब देते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी ने अब तक एक भी ओबीसी का प्रधानमंत्री नहीं दिया, भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया, अति पिछड़ा समाज के व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाया।

मुकेश अंबानी को पछाड़ आगे निकल गौतम अडाणी

- एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने, नेटवर्थ 8.59 लाख करोड़ पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स में उनकी नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.59 लाख करोड़ रुपए हो गई है। अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश

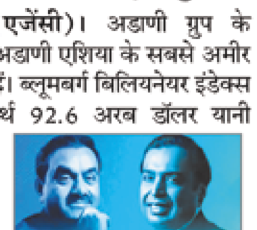

अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स थे। उनकी नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर यानी करीब 8.42 लाख करोड़ है। गौतम अडाणीः इस साल इनकी नेटवर्थ में 8.1 अरब डॉलर यानी 75.11 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी ने इनकी नेटवर्थ को बूस्ट दिया है।

इलॉन मस्क दुनिया में सबसे अमीर व्यक्ति

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में इलॉन मस्क 656 अरब डॉलर यानी करीब 60 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। उनके बाद लैरी पेज दूसरे और जेफ बेजोस तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि कोई भी भारतीय टॉप टेन में शामिल नहीं है। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ को ट्रैक करने वाला एक डेली इंडेक्स है। इसमें न्यूयॉर्क में हर कारोबारी दिन की समाप्ति पर आंकड़े अपडेट किए जाते हैं।

2023 का महिला आरक्षण हो गया कानून लागू

आधी रात को नोटिफिकेशन जारी, विपक्ष हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया है। संसद में गुरुवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच, आधी रात को मूल कानून लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसका मतलब यह है कि महिला आरक्षण के जिस कानून में संशोधन की बात की जा रही है, वह लागू ही नहीं हुआ था। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, कानून में संशोधन तभी हो सकता है जब वह लागू हो चुका हो। अचानक सरकारी नोटिफिकेशन की यही वजह है। हालांकि, कानून लागू होने के बावजूद संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण तुरंत नहीं मिलेगा। पुराने कानून के मुताबिक, यह 2027 की जनगणना और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू हो सकेगा।

सरकार के पास क्या विकल्प बचेंगे

मोदी सरकार लोकसभा में बिल पर वोटिंग करा सकती है, अगर बिल गिर जाता है, तो सरकार इसका ठीकरा विपक्ष पर फोड़ सकती है। विपक्ष के साथ आम सहमति बना सकती है। विधेयकों को संसदीय स्थायी समिति के पास भेज सकती है। सरकार इससे पहले वन नेशन, वक्फ बिल और वन इलेक्शन बिल को भी संसदीय समिति के भेज चुकी है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू बोले- सरकार ने महिला आरक्षण कानून में बदलाव (संशोधन) करने की तैयारी कर रही है।

2023 में कानून बना लेकिन लागू नहीं हुआ था

महिला आरक्षण बिल को 2023 में लोकसभा और राज्यसभा में पास किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने भी मंजूरी दे दी लेकिन इसके बावजूद यह कानून संविधान का हिस्सा नहीं बना था। क्योंकि कोई कानून तब तक लागू नहीं माना जाता जब तक सरकार राजपत्र (गजट) में उसको लागू करने की तारीख अधिसूचित न कर दे। अब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद कानून तो लागू हो गया है लेकिन इसे मौजूदा लोकसभा में लागू नहीं किया जा सकता। कानून के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, अगली जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन (सीटों का पुनर्गठन) होगा। इसके बाद ही आरक्षण लागू किया जाएगा। इस प्रक्रिया के कारण आरक्षण 2034 तक लागू होने की संभावना जताई गई थी। हालांकि, सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कर महिला आरक्षण को 2029 के चुनाव से लागू करना चाहती है। इसके लिए सरकार ने संसद में तीन नए बिल पेश किए हैं- संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक, 2026।

भगवाधारी योगी कर रहे मौलाना और माफिया का जिक्र

पश्चिम बंगाल चुनाव में दोहराएंगे बिहार वाला करिश्मा!

बोलपुर (एजेंसी)। बंगाल में एक बार बीजेपी की सरकार सत्ता में आएगी तो टीएमसी के गुंडे, माफिया और मौलाना झाड़ू लगाते नजर आएंगे। यूपी में सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी जाती है और मस्जिदों से अब शोर-शराबा नहीं होता। यूपी से बुल्डोजर मंगवा लो, गुंडों के इलाज का बस यही जरिया बचा है। ये बंगाल में चुनाव प्रचार कर रहे यूपी के सीएम आदित्यनाथ का अंदाज है, जिसे वह अक्सर रैलियों में बोलते हैं। पश्चिम बंगाल के ग्रामीण इलाकों में लोग योगी शैली की हिंदी में भाषण समझते कम हैं, मगर जब बुल्डोजर, मौलाना, नमाज और राम मंदिर जैसे शब्द

बोलते हैं तो तालियां बजती हैं। वह भीड़ से हाथ उठाकर जय श्री राम बोलने की अपील करते हैं और जनता वैसा ही करती है। सूत्र बताते हैं कि ब्रांड योगी के करिश्मे के कारण पार्टी ने प्रदेश में 20 से ज्यादा रैली कराने की प्लानिंग की है।

योगी को देखने के लिए उमड़ती है भीड़

योगी आदित्यनाथ सिर्फ भगवा वस्त्र पहनते हैं। ग्रामीण बंगाल में उनके भाषण सुनने से ज्यादा देखने के लिए भीड़ उमड़ती है। जब वह मंच पर होते हैं तो जनता हाथ जोड़कर अभिवादन करती है। सभा में बीजेपी के झंडे के साथ हनुमान ध्वजा भी होती है। 12 अप्रैल को पश्चिम बंगाल की कांथी दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में जब वह अपनी तीसरी जनसभा में पहुंचे तो बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने दंडवत होकर प्रणाम किया।

जनता की नब्ज टटोलते हैं योगी आदित्यनाथ

पूर्वी मेदिनीपुर के एक सार्वजनिक सभा में योगी ने कहा कि आज बंगाल में जिस तरह की अराजकता, गुंडागर्दी, लूटपाट, तुष्टीकरण और दंगे हो रहे हैं, वैसे ही हालात 2017 से पहले यूपी में भी थे। आज यूपी में न कोई कर्फ्यू है, न कोई दंगा। आज यूपी में सब चंगा है। एक भाषण में उन्होंने कहा कि बंगाल में उर्दू नहीं, बल्कि बांग्ला भाषा ही बोली जाएगी। जिसे उर्दू बोलनी है, वे वहां चला जाए जहां उर्दू बोली जाती है। अयोध्या के राम मंदिर का जिक्र करते हुए वह खुले तौर से कांग्रेस, कम्युनिस्ट, टीएमसी को चुनौती देते हैं।

तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हरिवंश नारायण

- पहली बार मनोनीत सदस्य को पद मिला, पीएम बोले-सदन को उन पर गहरा भरोसा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हैं। उन्हें शुक्रवार को निर्विरोध चुना गया हैं। विपक्ष की ओर से कोई नाम नहीं आया था। पहली बार किसी मनोनीत सदस्य को राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है। हरिवंश के समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को पांच प्रस्ताव मिले।

18 मार्च को पीएम मोदी ने कमबैक का हिंट दिया था

बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान राज्यसभा में रिटायर हो रहे सांसदों का विदाई समारोह 18 मार्च को हुआ था। इस दौरान पीएम मोदी ने हरिवंश के लिए कहा था-हमारे उपसभापति हरिवंश विदा ले रहे हैं। हरिवंश को इस सदन में लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने हिंट दी थी कि हरिवंश की राजनैतिक पारी अभी खत्म नहीं हुई है, वे आगे भी जनहित में काम करते रहेंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

खतरनाक ढंग से विभाजित होती दुनिया

फिलहाल अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध जारी है। अमेरिका और ईरान, दोनों ने इसका श्रेय पाकिस्तान को दिया। बाद में यह स्पष्ट हुआ कि पाकिस्तान की भूमिका मुख्यतः संदेशवाहक की थी। इस पर भारत की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई और कुछ हलकों में यह आलोचना सामने आई कि उसकी भूमिका को पर्याप्त मान्यता नहीं मिली।

हालांकि पाकिस्तान सुन्नी बहुल है, जबकि ईरान शिया बहुल। इसके बावजूद इस दौरान कुछ देशों ने कहा कि वे स्वयं को शिया या सुन्नी के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक रूप से मुसलमान के रूप में देखते हैं और वैश्विक स्तर पर उनके हित परस्पर जुड़े हुए हैं। इसी संदर्भ में कश्मीर में ईरान के समर्थन में धन एकत्र करने की गतिविधियां सामने आईं, जबकि भारत का इस संघर्ष से कोई संबंध नहीं।

हाल में सैमुअल पी. हंटिंगटन की पुस्तक 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन्स' फिर से पढ़ी। वे लिखते हैं, 'सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व एकध्रुवीय हो गया है। आने वाले समय में संघर्ष राष्ट्रों के बीच नहीं, बल्कि सभ्यताओं के बीच होगा। महाशक्तियों के बीच की प्रतिस्पर्धा सभ्यताओं के टकराव के रूप में प्रकट होगी। सभ्यताओं का यह संघर्ष विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है। यह संघर्ष किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक स्तर पर फैल सकता है। आज लोग आधुनिक पहचान के साथ-साथ अपनी पारंपरिक पहचान को भी पुनः खोज रहे हैं। इसी कारण वे नई परिस्थितियों के साथ-साथ पुराने द्वंद्वों को भी बनाए हुए हैं और उन्हें भूलने के लिए तैयार नहीं हैं। भविष्य में संघर्ष केवल आर्थिक असमानताओं जैसे-अमीर और गरीब के बीच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विभिन्न सभ्यताओं के बीच अधिक तीव्र रूप में सामने आएगा। यह इतिहास का एक अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर हो सकता है।' सभ्यताओं के रूप में वे पश्चिमी, दक्षिण अमेरिकी, अफ्रीकी, इस्लामिक, सिनिक, हिंदू, आर्थोडाक्स, बौद्ध और जापानी सभ्यताओं का उल्लेख करते हैं। अमेरिकी राजनीतिज्ञ हेनरी किसिंजर ने एक बार कहा था कि 21वीं सदी में छह बड़ी शक्तियां होंगी-अमेरिका, यूरोप, चीन, जापान, रूस और संभवतः भारत। वहीं सैमुअल हंटिंगटन ने चीन, वियतनाम और जापान को अलग-अलग सभ्यताओं के रूप में देखा। इन क्षेत्रों में बौद्ध परंपरा का व्यापक प्रभाव है। इसी प्रकार अफ्रीका में मुसलमानों और ईसाइयों की बड़ी आबादी है, जबकि दक्षिण अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और रूस मुख्यतः ईसाई बहुल क्षेत्र हैं। हंटिंगटन का मत है कि सिनिक (चीनी) और जापानी सभ्यताओं ने स्वयं को आर्थिक आधार पर आधुनिक बनाया है, जबकि इस्लामिक विश्व अपनी पहचान को आर्थिक आधार पर कम, बल्कि सांस्कृतिक और पंथक आधार पर अधिक सुदृढ़ करता है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में महिलाएं

नए भारत की एमएसएमई क्रांति के केंद्र में है नारी शक्ति

शोभा करंदलाजे

सरकार ने महिलाओं को विकास वाहक के रूप में अपने आर्थिक एजेंडे के केंद्र में रखने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय रणनीति है। उन्होंने ही कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं और जब परिवार सशक्त होते हैं, तो राष्ट्र निरंतर मज़बूत होता जाता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम राजनीतिक क्षेत्र में इस दर्शन की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक व्यापक और बहुआयामी नीतिगत ढांचे के रूप में सामने आई है, जो ऋण, कौशल, बाज़ार तक पहुंच, पहचान और गरिमा जैसे पहलुओं को समाहित करती है। एमएसएमई मंत्रालय ने अपने हर बड़े कार्यक्रम और योजना में महिलाओं के सशक्तिकरण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया है। ये सभी मिलकर, आपूर्ति पक्ष पर आठ मुख्य श्रेणियों के माध्यम से उद्यमियों को सहायता प्रदान करते हैं तकनीक तक पहुँच, ऋण और वित्त तक पहुँच, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, अवसरंचना सहायता, औपचारिकीकरण और समावेशन, बाज़ार तक पहुँच...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का सितंबर 2023 में संसद में समर्थन करते हुए विश्वास व्यक्त किया था कि भारत तभी आगे बढ़ सकता जब देश की नारियां भी इसके साथ ही उन्नति करें। उनका यह विश्वास एमएसएमई क्षेत्र (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) में सरकार के काम में हर रोज दिखाई देता है। एमएसएमई क्षेत्र को अक्सर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। लेकिन अगर गहराई से देखें तो इसके दिल में महिला उद्यमियों का मूक बल बसता है। आखिरकार आज इस मूक बल को वह राष्ट्रीय मान्यता, संस्थागत समर्थन और नीतिगत गति मिल रही है जिसका वह हमेशा से हकदार है। भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम में महिलाओं की भागीदारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 2026 की शुरुआत तक, उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर 3.11 करोड़ से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम पंजीकृत हुए हैं। वास्तव में, उद्यम और उद्यम असिस्ट पंजीकरण के अनुसार, देश के कुल पंजीकृत एमएसएमई में महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है और ये रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिला उद्यमियों के लिए सबसे प्रभावशाली सुधारों में से एक उद्यम पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है।

पूरी तरह से ऑनलाइन, कागज रहित और स्व-घोषणा पर आधारित इस व्यवस्था ने उस नौकरशाही बाधा को समाप्त कर दिया, जो महिलाओं के लिए एक बड़ी रुकावट बनी हुई थी। जनवरी 2023 में शुरू किए गए उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म ने अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत उन महिलाओं तक पहुंच बनाकर इस दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया, जिनके पास 'पैन' नंबर या जीएसटीएन नहीं था। इसने उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र में दिए जाने वाले ऋण और सरकारी योजनाओं के लाभों के दायरे में लाने का काम किया। सरकार ने महिलाओं को विकास वाहक के रूप में अपने आर्थिक एजेंडे के केंद्र में रखने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय रणनीति है। उन्होंने ही कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं और जब परिवार सशक्त होते हैं, तो राष्ट्र निरंतर मज़बूत होता जाता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम राजनीतिक क्षेत्र में इस दर्शन की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक व्यापक और बहुआयामी नीतिगत ढांचे के रूप में सामने आई है, जो ऋण, कौशल, बाज़ार तक पहुंच, पहचान और गरिमा जैसे पहलुओं को समाहित करती है। एमएसएमई मंत्रालय ने अपने हर बड़े कार्यक्रम और योजना में महिलाओं के सशक्तिकरण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया है। ये सभी मिलकर, आपूर्ति पक्ष पर आठ मुख्य श्रेणियों के माध्यम से उद्यमियों को सहायता प्रदान करते हैं तकनीक तक पहुँच, ऋण और वित्त तक पहुँच, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, अवसरंचना सहायता, औपचारिकीकरण और समावेशन, बाज़ार तक पहुँच, और उद्योग-स्तरीय कौशल विकास। पिछले पाँच वर्षों में, प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 3.2 लाख से ज़्यादा महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को सहायता दी गई है। हाल के आँकड़ों के अनुसार, पीएमईजीपी के कुल लाभार्थियों में से 39प्रतिशत महिलाएँ हैं जो इस योजना की रूपरेखा और महिलाओं की कुछ कर दिखाने की ललक, दोनों को दर्शाता है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट महिला ऋणदाताओं को 90 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ गारंटी कवर प्रदान करता है। इससे बैंक बिना कुछ गिरवी रखे महिलाओं को ऋण देने के लिए तैयार हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक खरीद नीति में संशोधन कर यह अनिवार्य किया गया कि केंद्रीय मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपनी वार्षिक खरीद का कम से कम 3 प्रतिशत हिस्सा महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से ही खरीदें। इससे महिला उद्यमियों के लिए एक सुनिश्चित और अनुमानित बाज़ार तैयार होता है, जिससे सरकारी खर्च को महिलाओं के व्यवसाय की

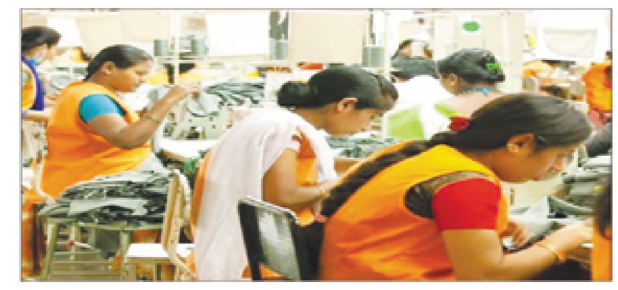

वृद्धि में बदला जा रहा है। यह देखकर खुशी होती है कि वित्त वर्ष 2025-26 में, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा की गई कुल खरीद का 3.5 प्रतिशत हिस्सा महिला एमएसएमई से ही खरीदा गया था। जेड्डीडी (जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट) प्रमाणन योजना के तहत, महिला-स्वामित्व वाले एमएसएमई को प्रमाणन शुल्क पर सौ प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। ये विस्तृत विवरण काफी महत्वपूर्ण हैं और ये मंत्रालय के प्रयासों को दर्शाते हैं। मंत्रालय ने इस बारे में गहराई से विचार किया है कि महिलाओं को कहाँ कहाँ बाधाओं का सामना करना पड़ता है और ठीक उन्हीं बाधाओं को दूर करने के लक्ष्य के साथ सहायता दी गई। महिला कॉयर योजना, के तहत कॉयर क्षेत्र में काम करने वाली महिला कारीगरों को विशेष कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एमएसएमई- व्यापार सशक्तिकरण और विपणन के तहत महिलाओं को मार्केटिंग के लिए मदद करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5 लाख लाभार्थियों में से 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। यशस्विनी अभियान में, एमएसएमई योजनाओं और पंजीकरण से मिलने वाले लाभों के बारे में महिलाओं को जानकारी देने के लिए पूरे देश में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से महिला उद्यमियों के लिए आयोजित एमएसएमई आइडिया हैकार्थॉन 3.0 के तहत 18,888 से अधिक आइडिया प्राप्त हुए, जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि महिलाओं में रचनात्मक और उद्यमशीलता की ऊर्जा का भंडार मौजूद है, जो बस बाहर आने का इंतज़ार कर रहा है।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

विश्व विरासतों का खज़ाना है भारत

विश्व विरासत दिवस प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इस वर्ष 2026 में यह दिवस संघर्ष और आपदाओं में विरासत संरक्षण थीम के साथ मनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने विरासत को अनमोल मानते हुए और लोगों से इन्हें सुरक्षित और सम्भाल कर रखने के उद्देश्य से ही इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया था। विश्व विरासत के स्थल किसी भी राष्ट्र की सभ्यता और उसकी प्राचीन संस्कृति के महत्वपूर्ण परिचायक माने जाते हैं। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यह है कि पूरे विश्व में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण के प्रति जागरूकता लाई जा सके। भारत की विरासत ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बिखरी पड़ी है जिन्हें संरक्षित सहेजना चुनौतीपूर्ण है। देश के ग्रामीण अंचलों में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासतों की भरमार है। विरासतों की सार संभाल के साथ इन्हें ग्रामीण पर्यटन से जोड़ दिया जाए तो ना केवल क्षेत्र का समुचित विकास हो सकेगा। वहीं, इन विरासतों को नए मायने मिलने से बड़ा पर्यटन सर्किट विकसित हो सकता है। इससे क्षेत्र की कायापलट हो सकती है। इससे एक तरफ जहां हमारी अमूल्य विरासत संरक्षित होगी, वहीं दो हाथों को रोजगार मिलेगा। प्रत्येक विरासत स्थल उस देश विशेष की संपत्ति होती है, जिस देश में वह स्थल स्थित हो। आने वाली पीढ़ियों के लिए और मानवता के हित के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का हित भी इसी में होता है कि वे इनका संरक्षण करें। इसके संरक्षण की जिम्मेदारी पूरे विश्व समुदाय की होती है। विरासत के स्थल किसी भी राष्ट्र की सभ्यता और उसकी प्राचीन संस्कृति के महत्वपूर्ण परिचायक माने जाते हैं। बीता हुआ कल काफी महत्वपूर्ण होता है। बीता हुआ समय वापस नहीं आता, किंतु अतीत के पन्नों को हमारी विरासत के तौर पर कहीं पुस्तकों तो कहीं इमारतों के रूप में संजोकर रखा गया है। हमारे पूर्वजों ने निशानी के तौर पर तमाम तरह के मंदिर, मकबरे, मस्जिदें, किले, बावड़ी और अन्य चीजों का सहारा लिया, जिनसे हम उन्हें आने वाले समय में याद रख सकें। वक्त की मार के आगे कई बार उनकी यादों को बहुत नुकसान पहुंचा। किताबों, इमारतों और अन्य किसी रूप में सहेज कर रखी गई यादों को पहले स्वयं हमने भी नजर अंदाज किया, जिसका परिणाम यह हुआ कि हमारी अनमोल विरासत हमसे दूर होती गईं और उनका अस्तित्व भी संकट में पड़ गया। वर्तमान में दुनियाभर में कुल 1248 विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 972 सांस्कृतिक, 235 प्राकृतिक और 41 मिश्रित स्थल हैं। चीन, इटली, स्पेन, जर्मनी और भारत दुनिया भर के कुछ शीर्ष देश हैं, जिनकी विश्व स्तर की विरासत की अच्छी गिनती है। भारत में कुल 3691 ऐसे स्मारक और स्थल हैं, जिसमें से यूनेस्को ने भारत में कुल 44 विश्व धरोहरों की घोषणा की है। इनमें 7 प्राकृतिक, 36 सांस्कृतिक और एक मिश्रित हैं। यूनेस्को की अस्थायी सूची में भारत के 70 धरोहर स्थल शामिल हैं। भारत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का जिक्र करें तो ऐसे बहुत से स्थानों का नाम महत्वपूर्ण है। ताजमहल और मुगलकालीन शिल्प की दास्तां बयान करने वाले दिल्ली के लालकिले ने इस सूची को भारत की ओर से और भी खूबसूरत बना दिया है। ताजमहल को एक विश्वव्यापी मतसंग्रह के दौरान दुनिया के सात अजूबों में अव्वल नंबर कर रखा गया था। विश्व धरोहर सूची में शामिल भारत की अजंता की गुफाएं 200 साल पूर्व की कहानी कहती नजर आती हैं, लेकिन इतिहास के पन्नों में धीरे-धीरे ये भुला दी गईं और बाद में बाघों का शिकार करने वाली एक ब्रिटिश टीम ने इनकी फिर खोज की। विश्व धरोहर सूची में शामिल एलोरा की गुफाएं दुनिया भर को भारत की हिन्दू, बौद्ध और जैन संस्कृति की कहानी बताती हैं। ये गुफाएं लोगों को 600 और 1000 ईस्वीं के बीच के इतिहास से रूबरू कराती हैं। भारत को विश्व धरोहर सूची में 14 नवंबर 1977 में स्थान मिला। तब से अब तक 44 भारतीय स्थलों को विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया जा चुका है। भारत में सर्वप्रथम एलोरा की गुफाएं (महाराष्ट्र) को विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्मों से उपार्जित सुख

संकलित

दर्शन

संसार के सारे क्रियाकलाप, मानव-समाज में हो रही गति, यह सब केवल मन का ही खेल है। मनुष्य की इच्छा शक्ति का प्रकाश मात्र है। अनेक प्रकार के यंत्र, युद्धपोत आदि सभी मनुष्य की इच्छा शक्ति के विकास मात्र हैं। मनुष्य की यह इच्छाशक्ति चरित्र से उत्पन्न होती है और वह चरित्र कर्मों से गठित होता है। अतएव कर्म जैसा होगा, इच्छाशक्ति का विकास भी वैसा ही होगा। संसार में प्रबल इच्छा शक्ति संपन्न जितने महापुरुष हुए हैं, वे सभी उत्कृष्ट कर्मी थे। उनकी इच्छाशक्ति ऐसी थी कि वे संसार को भी उलट-पुलट कर सकते थे। यह शक्ति उन्हें युग-युगांतर तक निरंतर कर्म करते रहने से प्राप्त हुई थी। बुद्ध एवं ईसा मसीह में जैसी प्रबल इच्छाशक्ति थी, वह एक जन्म में प्राप्त नहीं की जा सकती और उसे हम आनुवंशिक शक्तिसंचार भी नहीं कह सकते, क्योंकि हमें ज्ञात है कि उनके पिता कौन थे। हम नहीं कह सकते कि उनके पिता के मुंह से मनुष्य जाति की भलाई के लिए शायद कभी एक शब्द भी निकला हो। जोसेफ (ईसा मसीह के पिता) के समान तो असंख्य बढ़ई आज भी हैं, बुद्ध के पिता के सदृश लाखों छोटे-छोटे राजा हो चुके हैं। अतः यदि वह बात केवल आनुवंशिक शक्तिसंचार के कारण हुई हो, तो इसका स्पष्टीकरण कैसे कर सकते हैं कि इस छोटे से राजा को, जिसकी आज्ञा का पालन शायद उसके स्वयं के नौकर भी नहीं करते थे। ऐसा एक सुंदर पुत्र-रत्न लाभ हुआ, जिसकी उपासना लगभग आधा संसार करता है?

प्रार्थना के बाद भी भगवान नहीं सुन रहे?

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ के घर के बाहर एक साधू महाराज खड़े होकर प्रार्थना कर रहे थे और बदले में खाने को रोटी मांग रहे थे। सेठानी काफी देर से उसको कह रही थी कि आ रही हूँ। रोटी हाथ में थी पर फिर भी कह रही थी कि रुको आ रही हूँ। साधू ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे और रोटी मांग रहे थे। सेठ ये सब देख रहा था पर समझ नहीं पा रहा था, आखिर सेठानी से बोला- रोटी हाथ में लेकर खड़ी हो, वो बाहर मांग रहे हैं, उन्हें कह रही हो आ रही हूँ तो उन्हें रोटी क्यों नहीं दे रही हो? सेठानी बोली- हाँ रोटी दूँगी, पर क्या है ना कि मुझे उनकी प्रार्थना बहुत अच्छी लग रही है, अगर उनको रोटी दे दूँगी तो वो आगे चले जायेंगे। मुझे उसकी प्रार्थना और सुननी है। यदि प्रार्थना के बाद भी भगवान आपकी नहीं सुन रहे हैं तो समझना कि उस सेठानी की तरह प्रभु को आपकी प्रार्थना प्यारी लग रही है, इसलिए इंतजार करो और प्रार्थना करते रहो। जीवन में कैसा भी दुःख और कष्ट आए पर प्रार्थना मत छोड़िए। क्या कष्ट आता है तो आप भोजन करना छोड़ देते हैं? क्या बीमारी आती है तो आप सांस लेना छोड़ देते हैं? नहीं ना? फिर जरा सी तकलीफ आने पर आप प्रार्थना करना क्यों छोड़ देते हो? कभी भी दो चीजें मत छोड़ियें। भोजन छोड़ दोगे तो जिंदा नहीं रहोगे और प्रार्थना छोड़ दोगे तो कहीं के नहीं रहोगे। सही मायने में जिंदगी में प्रार्थना और भोजन दोनों ही आवश्यक हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

हीमोफीलिया की अदृश्य कड़ियों को तोड़ने का समय

'निदान : देखभाल का पहला कदम', यह केवल एक विषय नहीं बल्कि मानवता के उस मौन संघर्ष की गूंज है, जिसे हम अक्सर देख नहीं पाते, समझ नहीं पाते और इसलिए समय रहते पहचान भी नहीं पाते। 17 अप्रैल को विश्व हीमोफीलिया दिवस हमें इसी अदृश्य पीड़ा के प्रति संवेदनशील बनने का अवसर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन का आधार 'रक्त' केवल शरीर में बहने वाला द्रव नहीं बल्कि अस्तित्व का मूल है और जब यही रक्त नियंत्रित न हो पाए तो साधारण सी चोट भी जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है। - **वरुण साहू**, राजनांदगांव

ट्रेंड

कांग्रेस गिरगिट जैसी

अनु. जाति, अनु. जनजाति और ओबीसी के अधिकारों के मामले में, गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली कांग्रेस वही पार्टी है, जिसने केंद्र में सरकार के दौरान किसी भी क्षेत्र में उनके आरक्षण कोटा को पूरा करने के लिए कभी कोई पहल नहीं की।
- **मायावती**, पूर्व सीएम, उप्र

ईडी की छापेमारी

तीन दिनों के भीतर आम आदमी पार्टी के नेता के आवास पर ईडी की यह दूसरी छापेमारी है। क्या प्रधानमंत्री हमें बताएंगे कि आप नेताओं के आवासों पर अब तक की गई अनगिनत छापेमारी में कितना काला धन बरामद हुआ है? एक रुपया भी नहीं?
-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

महिला आरक्षण विधेयक

दशकों से, सड़कों से लेकर संसद तक, हमारी मांग रही है कि महिला आरक्षण विधेयक पारित किया जाए, लेकिन महिला आरक्षण के भीतर, एससी/एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्गों की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण होना चाहिए।
- **लालू प्रसाद यादव**, पूर्व सीएम, बिहार

संसद का कर्तव्य

स्त्री कोई फूल नहीं, वह परिवर्तन लाने वाली चिंगारी है। महिला सशक्तिकरण कोई विकल्प नही, यह हमारा दायित्व है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित करना महज एक निर्णय नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय महिला के प्रति इस संसद का कर्तव्य है।
- **बांसुरी स्वराज**, सांसद , भाजपा

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

चीन में कैथोलिक समुदाय पर गिरजाघर से जुड़ने का दबाव

चीन में कैथोलिक समुदायों पर दबाव बढ़ाया जा रहा है कि वे सरकार द्वारा नियंत्रित आधिकारिक गिरजाघर से जुड़ें और साथ ही करीब 1.2 करोड़ कैथोलिक पर निगरानी और यात्रा प्रतिबंध भी कड़े किए जा रहे हैं। एक मानवाधिकार समूह ने यह जानकारी दी। 'ह्यूमन राइट्स वॉच' की विस्तृत रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ता हुआ यह दबाव एक दशक पुराने अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी धार्मिक संप्रदाय और स्वतंत्र गिरजाघर आधिकारिक रूप से नास्तिक कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादार रहें। चीन में कैथोलिक समुदाय दो हिस्सों में बंटा रहा है– एक सरकारी गिरजाघर, जो पोप को नहीं मानता और दूसरा ऐसे चर्च, जो चोरी छिपे संचालित किए जाते हैं और वेटिकन के प्रति निष्ठावान हैं। पोप फ्रांसिस ने 2018 में वेटिकन–चीन समझौते के तहत बिशप की नियुक्ति में चीन को भूमिका दी थी, लेकिन इसके बावजूद दमन जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, चोरी छिपे संचालित गिरजाघरों के सदस्यों पर गिरफ्तारी, नजरबंदी और उत्पीड़न जैसी कार्रवाइयां की जा रही हैं। साथ ही धार्मिक गतिविधियों, विदेशी संपर्कों और पादरियों की विदेश यात्रा पर भी कड़े नियंत्रण लगाए गए हैं।

ऑफ बीट

जलती रिफाइनरी के धुएं का फेफड़ों और दिल पर असर

रिफाइनरी के आग के धुएं से आमतौर पर पीएम2.5 और पीएम10 जैसे सूक्ष्म कण निकलते हैं, जो फेफड़ों के भीतर तक पहुंच सकते हैं। इसके अलावा सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और बेंजीन जैसे विषैले गैस तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिक भी उत्सर्जित होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, आग से दूर रहने वाले लोगों के लिए ये सूक्ष्म कण अधिक चिंता का विषय होते हैं, क्योंकि ये लंबी दूरी तय कर सकते हैं और हवा में लंबे समय तक बने रहते हैं। स्वस्थ वयस्कों में इन प्रदूषकों के अल्पकालिक संपर्क से सामान्यतः स्थायी नुकसान की संभावना कम होती है, लेकिन आंखों में जलन, पानी आना, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द और सीने में जकड़न जैसे लक्षण हो सकते हैं। वायु गुणवत्ता में सुधार और प्रदूषकों से संपर्क कम होने पर ये लक्षण प्रायः खत्म हो जाते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो यह स्थिति उन लोगों से अलग है जो लंबे समय तक रिफाइनरी में काम करते हैं या आपातकालीन सेवाओं से जुड़े होते हैं, जहां कैंसर और फेफड़ों की बीमारियों का जोखिम अधिक होता है। खराब वायु गुणवत्ता का असर अस्थमा या 'क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज' (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों पर अधिक पड़ता है। ऐसे लोगों में सांस फूलने की समस्या और खांसी बढ़ सकती है, जिससे उन्हें सामान्य से अधिक दवाओं की आवश्यकता पड़ सकती है।

भाटी की सुरक्षा हटाने पर सियासत तेज, बोले– 'राजनीतिक दबाव में नहीं झुकूंगा'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। बाड़मेर जिले के शिव विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी की सुरक्षा हटाए जाने के फैसले पर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा में कटौती के बाद भाटी ने इस कदम को राजनीतिक दबाव करार देते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सुरक्षा हटाने पर प्रतिक्रिया देते हुए भाटी ने कहा, "जाको राखे सईया मार सके न कोय"। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह किसी भी प्रकार के दबाव में आने वाले नहीं हैं और जनता के मुद्दों के लिए पहले की तरह आवाज उठाते रहेंगे। भाटी ने कहा कि उन्हें जनता ने यहां तक पहुंचाया है और वही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह के फैसले छोटे स्तर की राजनीति को दर्शाते हैं, जिससे उनके हौसले कमजोर नहीं होंगे।

पहले मिल चुकी हैं धमकियां

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023 में विधायक बनने के बाद भाटी को सुरक्षा के तौर पर एक पीएसओ (पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) दिया गया था। बाद में जब उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की, तब उन्हें जान से मारने की धमकियां मिली थीं। इसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाते हुए अतिरिक्त पीएसओ तैनात किया गया। जनवरी 2025 में उनकी सुरक्षा में तैनात एक अतिरिक्त पीएसओ को हटा लिया गया था। हालांकि, जनवरी से मार्च 2025 के बीच फिर से धमकियों की सूचनाएं सामने आईं, जिसके बाद खुफिया एजेंसियों ने भी खतरे की आशंका जताई थी। इसी आधार पर मार्च 2025 में उनकी सुरक्षा बढ़ाकर दो कमांडो और एक पुलिसकर्मी सहित कुल चार पीएसओ कर दिए गए थे।

समीक्षा के बाद हटाई गई अतिरिक्त सुरक्षा

जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई, जिसके बाद अतिरिक्त सुरक्षा वापस लेने का निर्णय लिया गया। पहले जहां चार पीएसओ तैनात थे, अब संख्या घटा दी गई है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज

इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाटी के समर्थकों का कहना है कि यह निर्णय गलत समय पर लिया गया है, जबकि भाटी इसे सीधे तौर पर राजनीतिक दबाव से जोड़ रहे हैं। भाटी ने कहा कि जनता सब समझती है कि सुरक्षा कब और किन परिस्थितियों में दी जाती है और कब हटाई जाती है। उन्होंने भरोसा जताया कि वह आगे भी बिना किसी डर के जनता के हितों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

जेडीए की ऑनलाइन सेवाओं और नवाचारों पर मीडिया व इन्फ्लुएंसर्स कार्यशाला आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ऑनलाइन सेवाओं, नागरिक सुविधाओं और सुनियोजित विकास योजनाओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और मीडिया प्रतिनिधियों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने की। कार्यशाला में जेडीए के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योजनाओं, डिजिटल सेवाओं और कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान जेडीए सचिव गौरव सैनी, आईटी सलाहकार आर.के. शर्मा और सिस्टम एनालिस्ट महिपाल चंपावत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ऑनलाइन सेवाओं की सही जानकारी जरूरी

जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने कहा कि जेडीए की पारदर्शी प्रक्रियाओं और नागरिक हितैषी योजनाओं की सही जानकारी आमजन तक पहुंचना बेहद जरूरी है। उन्होंने मीडिया और इन्फ्लुएंसर्स से अपील की कि वे तथ्यात्मक जानकारी साझा करें, ताकि लोगों में किसी तरह की भ्रम की स्थिति न बने।

पट्टा प्रक्रिया और सेवाओं की दी जानकारी

कार्यशाला में जेडीए से पट्टा आवेदन से लेकर पंजीयन तक की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। साथ ही जेडीए के कार्यक्षेत्र, प्रशासनिक जोन और विकास गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

ई-जनसुनवाई से बढ़ी पारदर्शिता

जेडीए द्वारा शुरू की गई ई-जनसुनवाई व्यवस्था के तहत रोजाना दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक ऑनलाइन सुनवाई की जाती है। शिकायतकर्ताओं को उसी दिन डिजिटल ट्रैकिंग सुविधा भी मिलती है। अब तक 1007

ई-जनसुनवाई आयोजित की जा चुकी हैं, जिससे जवाबदेही और पारदर्शिता में बढ़ोतरी हुई है।

GIS मॉनिटरिंग और फर्जीवाड़े पर रोक

पोर्टल पर लीज रिकवरी, संपत्ति देयता, अवैध निर्माण और अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतों की GIS आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही फर्जी भूखंड विक्रेताओं से बचाव के लिए रिजेक्टेड स्कीम्स और सरकारी जमीन की जानकारी भी सार्वजनिक की गई है।

ट्रैफिक सुधार के लिए आधुनिक उपाय

शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए जेडीए द्वारा रोटरी, यू-टर्न और लेफ्ट फ्री टर्न जैसे इंजीनियरिंग उपाय किए जा रहे हैं। इन्फ्लुएंसर्स से यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील भी की गई।

कम्युनिटी और स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

जेडीए कम्युनिटी सेंटर्स का आधुनिक रूप में पुनर्विकास कर रहा है। जोन-2 में विकसित हो रहे वाइब सेंटर में ओपन थिएटर, जिम, लाइब्रेरी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा खेल सुविधाओं का विस्तार करते हुए बास्केटबॉल, स्केटिंग और बॉक्स फुटबॉल जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

लैंड पूलिंग स्कीम से सुनियोजित विकास

शहर के सुनियोजित विस्तार के लिए लैंड पूलिंग स्कीम लागू की जा रही है। इसके तहत विकसित भूमि का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा भूमि मालिकों को वापस दिया जाएगा। शिवदासपुरा, अचरावाला, महल रोड, कालवाड़ रोड, डिग्गी रोड और अजमेर रोड जैसे क्षेत्रों में योजनाओं पर कार्य जारी है।

प्रतिभागियों ने की सराहना

कार्यशाला में शामिल इन्फ्लुएंसर्स और मीडिया प्रतिनिधियों ने जेडीए की डिजिटल पहलों और विकास योजनाओं की सराहना की। अंत में जयपुर विकास आयुक्त ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन के सुझावों के आधार पर भविष्य की योजनाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

स्पष्ट और सरल भाषा में बने कानून, जनता की इच्छाओं का हो प्रतिबिंब – देवनानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि कानून निर्माण में विधायी मसौदे की भूमिका बेहद अहम होती है और इसमें स्पष्ट व सरल भाषा के जरिए जनता की इच्छाओं को सही रूप में दर्शाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विधानसभा में विधेयकों को पारित करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सावधानीपूर्वक अपनाई जाती है, ताकि कानून की गुणवत्ता सर्वोत्तम बनी रहे। विधानसभा में आयोजित 37वें अंतरराष्ट्रीय विधायी मसौदा प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने विभिन्न देशों से आए प्रतिभागियों को जनहित में विधायिका की भूमिका समझाई। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के तहत लोकसभा सचिवालय के संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया और जाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विधेयक प्रक्रिया में तीन चरण महत्वपूर्ण

देवनानी ने बताया कि किसी भी विधेयक के निर्माण की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है। पहले चरण में विधेयक को सदन में पेश किया जाता है, दूसरे चरण में उस पर विस्तार से चर्चा और समिति स्तर पर गहन परीक्षण किया जाता है, जबकि अंतिम चरण में सदन द्वारा मतदान के जरिए उसे पारित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य कानून को मजबूत, सरल और जनहितकारी बनाना है।

लोकतंत्र का सच्चा मंदिर है विधानसभा

उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा लोकतंत्र का सच्चा मंदिर है, जहां सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण कानून बनाए जाते हैं। 200 सदस्यों वाली यह विधानसभा जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को कानून का रूप देती है। साथ ही विधानसभा अपनी स्थापना की 75वीं वर्षगांठ भी मना रही है, जो इसकी गौरवशाली यात्रा को दर्शाती है।

डिजिटल युग में आगे बढ़ता राजस्थान

देवनानी ने बताया कि विधानसभा ने सभी विधायी अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर लिया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह कदम सिर्फ तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि शासन को अधिक प्रभावी और तेज बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पारंपरिक राजस्थानी शैली और आधुनिक सुविधाओं के साथ विधानसभा भवन देश के लिए आदर्श बन चुका है।

युवाओं से जुड़ने का माध्यम बना संग्रहालय

उन्होंने विधानसभा के डिजिटल संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह युवाओं और आम जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यहां लोग राज्य के इतिहास, लोकतांत्रिक यात्रा और कानून निर्माण प्रक्रिया को करीब से समझ सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग से मजबूत होगा लोकतंत्र

विदेशी प्रतिभागियों से संवाद करते हुए देवनानी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुभव आधारित ज्ञान प्रदान करते हैं और विभिन्न देशों के बीच लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की यात्रा से प्रतिभागी "पधारो म्हारे देश" की भावना को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान सहित कई विधायक और अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित राजस्थान@2047 में गुड गवर्नेंस बनेगा विकास का आधार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विकसित राजस्थान@2047 के लक्ष्य को हासिल करने में सुशासन और नागरिक-केंद्रित प्रशासन को सबसे अहम आधार बताते हुए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य तेजी से एक आदर्श विकास मॉडल की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सुधारों को साधन, लचीलेपन को ताकत, चुनौतियों को अवसर और परिणामों को मापदंड मानकर राजस्थान निरंतर प्रगति कर रहा है। आरआईसी में आयोजित "विकसित राजस्थान@2047: गवर्नेंस ट्रांसफॉर्मड" विषय पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान 'विकसित भारत@2047' की यात्रा में निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में है। प्राकृतिक संसाधन, स्वच्छ ऊर्जा, पर्यटन, कृषि और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति राज्य को विशेष मजबूती प्रदान कर रही है। विकास का यह मॉडल समावेश, समानता, स्थिरता और सुशासन पर आधारित है। उन्होंने बताया कि राज्य का विजन "GYAN" — गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति — पर केंद्रित है, जिसके माध्यम से समावेशी विकास और बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। अक्टूबर 2025 में जारी 'विकसित राजस्थान@2047' विजन डॉक्यूमेंट केवल एक सपना नहीं बल्कि एक ठोस रोडमैप है, जिसका उद्देश्य राज्य को समृद्ध और समावेशी बनाना है। राज्य सरकार का चार-सूत्रीय दृष्टिकोण लोगों का पोषण, समाज को सशक्त बनाना, मजबूत आधारभूत संरचना और स्थिरता निर्माण, तथा नीति व शासन सुधारों को आगे बढ़ाना है। इसके तहत 100% साक्षरता, कौशल आधारित शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की सार्वभौमिक पहुंच, जल प्रबंधन, स्मार्ट शहरीकरण और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान का लक्ष्य 2028-29 तक 350 अरब डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है। इसके लिए कृषि नवाचार, औद्योगिक विकास, पर्यटन, हरित ऊर्जा और डिजिटल गवर्नेंस पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रशासनिक सुधारों के तहत 'राज-उन्नति', एआई आधारित सेवा वितरण, डिजिटलीकृत भूमि रिकॉर्ड, परियोजना मॉनिटरिंग और प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली लागू की जा रही है। जनवरी 2026 में शुरू 'राज-उन्नति' प्लेटफॉर्म रियल टाइम मॉनिटरिंग के जरिए पारदर्शी और जवाबदेह शासन की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने बताया कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 2024 में 350 से अधिक सुधार लागू कर राजस्थान देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हुआ। वहीं 'राजस्थान जन विश्वास अध्यादेश 2025' के जरिए निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया जा रहा है। 'राइजिंग राजस्थान 2024' के तहत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए, जिनमें से 8.15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं, जो राज्य की मजबूत कार्यान्वयन क्षमता को दर्शाता है।

माइनिंग सेक्टर में तेजी: राजस्व लक्ष्य और मिनरल ब्लॉकों के रोडमैप पर फोकस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य के माइंस विभाग ने वर्ष 2026-27 के लिए राजस्व संग्रहण और मिनरल ब्लॉकों की नीलामी को लेकर व्यापक कवायद शुरू कर दी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राजस्व वसूली के सभी संभावित स्रोतों पर फोकस करते हुए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। खनिज भवन में आयोजित बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉकों के डेलिनियेशन से लेकर ऑक्शन तक की पूरी प्रक्रिया के लिए टाइमलाइन आधारित वार्षिक रोडमैप तैयार किया जाएगा। इसका उद्देश्य खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, गति और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करना है। साथ ही वैध खनन को बढ़ावा देने और अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने विशेष रूप से बंद पड़ी खानों में पुनः खनन कार्य शुरू कराने पर जोर दिया। उनका कहना था कि इससे न केवल राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। बैठक में बताया गया कि हाल ही समाप्त वित्तीय वर्ष में माइंस विभाग ने 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,394 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है। अब राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए 39 प्रतिशत वृद्धि के साथ 14,001 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए विभाग को मासिक स्तर पर कार्यालयवार रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्री-एम्बेडेड प्लॉट और ब्लॉक तैयार करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे नीलामी के बाद खनन कार्य शीघ्र शुरू हो सकेगा। इस कार्य के लिए भूविज्ञान एवं आरएसएमईटी से जुड़े अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी कहा गया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार माइनिंग सेक्टर को देश का अग्रणी क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में खनन नीतियों में सुधार, निवेश को बढ़ावा और पारदर्शी व्यवस्था विकसित करने पर लगातार काम किया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही राजस्व संग्रहण और मिनरल ब्लॉकों की तैयारी का विस्तृत रोडमैप जारी कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन शुरू कर दिया जाएगा।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कोटा में की समस्या समाधान शिविरों की समीक्षा

-18 शिविरों में आए 2864 परिवाद, 2379 परिवादों का हुआ निस्तारण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कोटा जिले में आयोजित बैठक में रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किए गए समस्या समाधान शिविरों में प्राप्त परिवादों के निस्तारण की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि उपखण्ड क्षेत्र में कुल 18 शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें 2864 परिवाद प्राप्त हुए। प्राप्त परिवादों में से 2379 परिवादों का निस्तारण किया गया तथा 485 प्रकरण खारिज किए गए। शिक्षा मंत्री ने प्रत्येक विभाग के निस्तारित एवं लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवाद के साथ परिवादी का मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए, ताकि निस्तारण के बाद परिवादी से संपर्क कर उनसे पूछा जा सके कि समस्या समाधान से वे कितने संतुष्ट हैं। समीक्षा बैठक में दिलावर ने राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिंचाई विभाग, खनिज विभाग एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

दिल्ली रोड़ धोबी घाट पर दर्दनाक हादसा

-ट्रक की टक्कर से पति की मौके पर मौत, पत्नी गंभीर घायल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में दिल्ली रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दुपहिया वाहन सवार दंपति को अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा कल दोपहर करीब 3:30 बजे धोबी घाट के पास हुआ, जब दंपति अपने परिचित से मिलकर एमडी रोड स्थित घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पति इशाक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी आबिदा गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला को तुरंत SMS अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही गलता गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। आज पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में मृतक के पुत्र अल्ताफ ने गलता गेट थाने में मामला दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

हीटवेव से बचाव के पुख्ता इंतजाम के निर्देश, अस्पतालों में बनेंगे हीट स्ट्रोक ट्रीटमेंट कॉर्नर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में बढ़ती गर्मी और संभावित हीटवेव को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सभी चिकित्सा संस्थानों में व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान हीटवेव प्रबंधन, मौसमी बीमारियों और स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में इमरजेंसी सुविधाओं को मजबूत करते हुए विशेष हीट स्ट्रोक ट्रीटमेंट कॉर्नर स्थापित किए जाएं। इसके साथ ही दवाओं, जांच, ओआरएस और आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चिकित्साधिकारियों को प्रो-एक्टिव अप्रोच अपनाने के निर्देश देते हुए मरीजों और उनके परिजनों के लिए छाया, ठंडा पेयजल और बैठने की उचित व्यवस्था करने पर जोर दिया।

अस्पतालों में सुविधाओं की सख्त निगरानी

प्रमुख शासन सचिव ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर, दवाएं और जांच सुविधाएं पूरी तरह क्रियाशील रहें। आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय स्तर पर दवाओं की खरीद भी सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड में जाकर निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं की समीक्षा करने को कहा गया। साथ ही, मरीजों को त्वरित राहत देने के लिए रेपिड रिस्पॉन्स सिस्टम को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया।

खाद्य एवं पेयजल की गुणवत्ता पर फोकस

गर्मी के मौसम को देखते हुए भीड़भाड़ वाले स्थानों, छात्रावासों और सार्वजनिक स्थलों पर खाद्य पदार्थों और पेयजल की जांच के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने शुद्ध और सुरक्षित भोजन व पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को सक्रिय रहने को कहा।

डिजिटल मॉनिटरिंग और जवाबदेही

प्रमुख शासन सचिव ने निर्देश दिए कि सभी चिकित्सा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे कार्यरत रहें और सेल्फ मॉनिटरिंग सिस्टम एप में नियमित रिपोर्टिंग की जाए। इस एप के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन किया जाएगा और कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों के अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मीडिया में आने वाली नकारात्मक खबरों की मॉनिटरिंग कर सुधार करने के निर्देश भी दिए गए।

एम्बुलेंस और आपात सेवाओं की जांच

उन्होंने 108 एम्बुलेंस सेवाओं का दो दिन में भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। इसमें एम्बुलेंस की साफ-सफाई, उपकरणों और दवाओं की उपलब्धता व कार्यक्षमता की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भी समीक्षा

बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, गैर संचारी रोग नियंत्रण, एचपीवी वैक्सीनेशन और स्वास्थ्य शिविरों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिविरों की जानकारी पहले से आमजन तक पहुंचाई जाए ताकि अधिक से अधिक लोग लाभ उठा सकें।

फायर सेफ्टी और साफ-सफाई पर जोर

निदेशक जनस्वास्थ्य ने सभी अस्पतालों में नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट, मॉक ड्रिल और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े और तैयारियों की जानकारी साझा की।

मोहम्मद आदिल खान मोयल ने आरपीएससी में आल राजस्थान में तृतीय स्थान प्राप्त किया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोहम्मद आदिल पुत्र रमजान खान मॉयल वन विहार कॉलोनी चुरु ने आरपीएससी इवेलुएशन डिपार्मेंट में रिसर्च अस्सिटेंट पोस्ट पर थर्ड रैंक हासिल करते हुए अपने समाज और परिवार का नाम रोशन किया इस भर्ती के अलावा दो अन्य भर्ती एक सहायक सांख्यिकी अधिकारी व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को भी उत्तीर्ण किया एक साथ तीन-तीन एग्जाम उत्तीर्ण करते हुए आदिल खान ने यह साबित कर दिया की मेहनत और लक्ष्य एक साथ चलते रहे तो कामयाबी जरूर मिलेगी। आदिल का यह मानना है कि मेरे परिवार जिसमें मेरे पिताजी और मेरे बड़े भाई ने बहुत सपोर्ट किया और मेरे शिक्षक श्याम सर, राजावत सर और विनोद सर उनका मार्गदर्शन मेरे लिए मील का पत्थर साबित हुआ। मोहम्मद आदिल ने इस एग्जाम का मार्गदर्शन एस विवेकानंद कोचिंग संस्थान जयपुर से लिया। मोहम्मद आदिल के परिवार के लिए यह बहुत ही हर्ष, उल्लास और खुशी का पल है कि यह अपने परिवार का पहला बच्चा है। जो गवर्नमेंट जॉब हासिल की है। परिवार के भाई अब्दुल सत्तार खान ने बताया कि बड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य को पाया है और आगे आरएएस की तैयारी कर रहा है। मोहल्ले एवं कॉलोनी वासियों ने बड़ी संख्या में आकर फूल मालाओं से स्वागत किया और बधाई दी। है उज्जवल भविष्य की कामना की।

बाल विवाह निषेध रैली एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार शनिवार को आमजन को बाल विवाह रोकथाम के संबंध में जागरूक करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पचीपल्या में बाल विवाह निषेध रैली का आयोजन किया गया। यह रैली राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंभीरा से शुरू होकर गांव के मुख्य मार्गों से होकर निकाली गई तथा पुनः विद्यालय परिसर में आकर सम्पन्न हुई। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से भी गांव में बाल विवाह निषेध रैली का आयोजन किया गया। आयोजित बाल विवाह निषेध रैली में विद्यार्थियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा "बाल विवाह बंद करो, बाल विवाह नहीं करेंगे" के नारों से ग्रामीणों को बाल विवाह का समर्थन नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पचीपल्या एवं ग्राम पंचायत पचीपल्या में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। आयोजित जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी धनराज मीणा तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के राहुल सिंह, हनुमान सैनी द्वारा विद्यार्थियों एवं उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, "से नो टू चाइल्ड मैरिज" अभियान, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, बाल विवाह की शिकायत के निवारण में विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं विधिक सेवा समितियों की भूमिका, बालश्रम के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई और समाज को इस कुरीति के विरुद्ध जागरूक रहने का संदेश दिया। अंत में चाइल्ड हेल्पलाइन के राहुल सिंह द्वारा विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन, प्रशासन एवं चाइल्ड हेल्पलाइन को बाल विवाह के संबंध में सूचित करने हेतु शपथ दिलवाई गई। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य पुष्पा मीणा, पीटीआई अनीस मोहम्मद सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

भाजपा ने भीलवाड़ा में सोशल मीडिया टीमों का किया विस्तार, शाहपुरा-बनेड़ा में नई जिम्मेदारियां

इकबाल शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला भीलवाड़ा ने संगठन को डिजिटल रूप से मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सोशल मीडिया की विस्तृत विधानसभा स्तरीय टीमों की घोषणा की है। यह नियुक्तियां प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार की गई हैं, जिन पर जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने हस्ताक्षर कर प्रदेशाध्यक्ष के निर्देशानुसार अनुशंसा कर घोषणा की। भाजपा द्वारा जारी इस सूची में जिले की सभी प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों—मांडलगढ़, सहाड़ा, शाहपुरा, जहाजपुर, भीलवाड़ा और आसींद—में संयोजक एवं सह-संयोजकों की नियुक्ति की गई है। प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग टीम बनाकर संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का प्रयास किया गया है

शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा में नियुक्तियां

शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र में रामकिशन माली को भाजपा सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं सह-संयोजक के रूप में परमेश्वर कुमार दमामी (बनेड़ा) और दीपक सेन (फुलिया कलां), सुरेश नाथ योगी, देव खुश गोदारा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डिजिटल मजबूती पर फोकस

भाजपा का यह कदम साफ तौर पर दर्शाता है कि पार्टी सोशल मीडिया को संगठन का मजबूत हथियार मान रही है। इन टीमों के माध्यम से पार्टी की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को तेजी से आमजन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

युवाओं को मिला प्रमुख स्थान

इस बार की नियुक्तियों में युवाओं को प्राथमिकता दी गई है, जिससे संगठन में नई ऊर्जा और नवाचार की उम्मीद जताई जा रही है। सोशल मीडिया के क्षेत्र में युवाओं की सक्रियता को देखते हुए यह रणनीति काफी अहम मानी जा रही है।

चुनावी रणनीति से जुड़ा अहम कदम

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, वर्तमान समय में सोशल मीडिया चुनावी राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। ऐसे में भाजपा द्वारा विधानसभा स्तर तक मजबूत सोशल मीडिया टीमों का गठन आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है। कुल मिलाकर, भाजपा भीलवाड़ा की यह पहल संगठन को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नई मजबूती देने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संसद में सिर्फ विधेयक नहीं गिरा...... मोदी और शाह का अहंकार चूर-चूर हुआ है- मंडेलिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा, भाजपा के राजनीतिक छल का मुखौटा उतर गया है। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष व कांग्रेस नेता रफ़ीक मंडेलिया ने कहा, महिलाओं के नाम पर जो राजनीतिक जाल बिछाया गया, आज देश के जनमत और एकजुट विपक्ष ने उसे ध्वस्त कर दिया। देश की आधी आबादी नारी शक्ति को संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण मिलकर रहेगा, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी भी महिलाओं को आरक्षण मिले इसके पक्षधर थे, ये उनका अधिकार है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह इसे 2011 की जनगणना और परिसीमन से जोड़कर देश को भ्रमित किया, महिलाओं हितैषी बनने सियासी दांव चला, वो छल देश की ताकत के सामने टिक नहीं पाया। मंडेलिया ने कहा, ये सिर्फ एक विधेयक की हार नहीं है, यह उस सोच की हार है जो महिलाओं के अधिकारों को शर्तों में बांधकर देश को भ्रमित करना चाहती है। आज साफ हो गया कि सत्ता का अहंकार कितना भी बड़ा क्यों न हो, लेकिन संविधान सर्वोपरि है। मोदी सरकार महिला आरक्षण की ओट में देशभर में परिसीमन थोपना चाहती थी, वो मनसूबे पूरे नहीं हुवे, इनका चला चरित्र और चेहरा फिर देश के सामने आ गया है।

योग एवं स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शनिवार को आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना एवं आयुर्वेद विभाग के पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत राजकीय आयुर्वेद औषधालय, राणासर द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 01 एवं 04 पर योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में योग को बढ़ावा देने, बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने तथा शारीरिक गतिविधियों को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही ग्रामीणों, महिलाओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं एनसीडी स्क्रीनिंग कर आवश्यक परामर्श दिया गया। इस अवसर पर सभी को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया तथा तंबाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई गई।

हुडला की पावन धरा पर कल सजेगा सर्वजातीय विवाह सम्मेलन

-पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला करेंगे 28 बेटियों के पीले हाथ

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा क्षेत्र के हुडला गांव में कल 19 अप्रैल 2026 को एक भव्य सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। इस सम्मेलन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है। समाज की एकता, भाईचारे और आपसी सौहार्द का संदेश देने वाले इस आयोजन में पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला मुख्य भूमिका निभाते हुए 28 बेटियों के पीले हाथ करेंगे। आयोजकों के अनुसार विवाह सम्मेलन की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। समारोह स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और बाहर से आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल होंगे। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन का उद्देश्य समाज में फिजूलखर्ची को रोकना और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानपूर्वक बेटियों का विवाह कराने में सहयोग देना है। सम्मेलन के माध्यम से सर्वसमाज को एक मंच पर लाकर सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि हुडला की धरती पर होने वाला यह आयोजन क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है और आने वाले समय में समाज के लिए एक मिसाल बनेगा।

गौ सम्मान आह्वान अभियान:

27 अप्रैल को चूरू में निकलेगा भव्य जुलूस, जिला उप प्रभागीय मजिस्ट्रेट (SDM) को सौंपा जाएगा ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारतीय संस्कृति की आधारशिला 'गौमाता' को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और देशी गोवंश के संरक्षण हेतु "गौ सम्मान आह्वान अभियान" के अंतर्गत आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। श्री ध्यान नाथ जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई और गौवंश के सम्मान के लिए रणनीति बनाई गई। 24 अप्रैल को जनसंपर्क अभियान अभियान को गति देने के लिए 24 अप्रैल को शाम 5:00 बजे जनसंपर्क कार्यक्रम रखा गया है। इसके लिए सभी गौ-प्रेमी और गणमान्य जन पंचमुखी बालाजी मंदिर, मोचीवाड़ा में एकत्रित होंगे। यहाँ से मुख्य बाजारों में जनसंपर्क कर आमजन को अभियान से जोड़ा जाएगा। 27 अप्रैल को विशाल जुलूस बैठक में निर्णय लिया गया। 27 अप्रैल 2026, सोमवार प्रातः 10:00 बजे, केंद्रीय विद्यालय, चूरू से एक विशाल जुलूस निकाला जाएगा। इसमें चूरू शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के गौ-सेवी, समाजसेवी, संत-महात्मा और सनातन धर्म प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। संतों के सानिध्य में यह जुलूस चूरू जिला उप प्रभागीय मजिस्ट्रेट (SDM) पहुंचेगा, जहाँ प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

अभियान की मुख्य मांगें:

बैठक के दौरान वक्ताओं ने संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से निम्नलिखित मांगें उठाईं: भारत में गौ-हत्या पर पूर्णतः प्रतिबंध लगे और देशी गोवंश को पूर्ण सुरक्षा मिले। गौमाता को 'राष्ट्र माता', राष्ट्र देव और राष्ट्र धरोहर का सम्मानित पद प्रदान किया जाए। गौ सेवा हेतु केंद्रीय कानून लागू हो और अलग से 'केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय' का गठन किया जाए। देश में गोचर बोर्ड का गठन हो और सुदृढ़ चारा सुरक्षा नीति तय की जाए। गौ-आधारित कृषि को प्रोत्साहन मिले और पंचगव्य उत्पादों के निर्माण व विपणन को बढ़ावा दिया जाए।बैठक में ये रहे उपस्थित: इस महत्वपूर्ण बैठक में श्री ध्यान नाथ जी महाराज के सानिध्य में गोपी जी शर्मा, श्री राम शर्मा, बी.एन. राजोतिया, सुधीर कुदाल, महेश गौड़, राजेश सोती, आशीष चोटिया, सुरेश कुमार, कन्हैया लाल सैनी, आकाश, मेजर विनोद शर्मा, कैलाश नवहाल, राकेश ओझा, विमल जोशी, कमल किशोर जोशी सहित बड़ी संख्या में गौ-भक्त और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छता साथियों के लिए विशेष हेल्थ चेकअप शिविर सम्पन्न

पाली (रॉयल पत्रिका)। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 'सम्मान एवं सुरक्षा सप्ताह' के अंतर्गत नगर पालिका सोजत सिटी परिसर में स्वच्छता साथियों के लिए विशेष हेल्थ चेकअप शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्वच्छता कर्मियों ने भाग लेकर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर के दौरान चिकित्सकों द्वारा ब्लड प्रेशर, शुगर सहित आवश्यक स्वास्थ्य जांचें की गईं तथा स्वच्छता साथियों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। अधिशासी अधिकारी अचल सिंह गुर्जर के निर्देशन में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता साथियों के स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करना तथा उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति सम्मान प्रकट करना रहा। कार्यक्रम में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश गुप्ता के मार्गदर्शन में चिकित्सा विभाग की टीम एवं नगर पालिका के अधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशासन ने स्वच्छता साथियों के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी आयोजन निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया।

लाडनूं में सड़क निर्माण में खांचा भूमि को सम्मिलित कर हो पूरी सड़क

-मंदिर के पास गंदगी से मिलेगी निजात और अतिकर्मी होंगे हतोत्साहित

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर अतिक्रमण और गंदगी होने से सफाई व्यवस्था को लेकर और वहां सड़क की चौड़ाई बढ़ाने की मांग सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक़ खां कायमखानी ने की है। कायमखानी ने बताया कि लाडनूं के सरकारी अस्पताल रोड़ स्थित सांखला हाऊस के पास नगर पालिका मंडल लाडनूं की सार्वजनिक सरकारी भूमि और सरकारी आम रास्ता है, यहां पर कुचिपला भैरूजी का मंदिर भी है, जिसके आस-पास गंदगी फैली रहती है। उन्होंने बताया कि यहां हाल ही मैं नगर पालिका लाडनूं द्वारा बनवाई जा रही सीसी रोड़ को जनहित में अधिक चौड़ाई से बनवाने व शेष बची खांचा भूमि पर भी सड़क बनवाई जानी चाहिए, ताकि मंदिर के आसपास फैली गंदगी से आम जनता को निजात मिल सके। यहां आस-पास के लोगों ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है, ऐसे लोग नहीं चाहते कि सामने की इस खांचा भूमि पर सीसी सड़क बने, क्योंकि अगर इस खांचा भूमि पर सड़क बन जाती है, तो वह आगे बढ़कर यहां कब्जा करने से वंचित हो जाएंगे, इसलिए ये लोग इस खांचा भूमि में सड़क नहीं बनने दे रहे हैं। कायमखानी ने मांग की है कि क्षेत्र की जनता सहित फोर व्हीलर टैक्सी वाहन चालक युनियन लाडनूं के सभी ड्राइवर भी चाहते है कि यह सड़क खांचा भूमि को सम्मिलित करते हुए पूरी सड़क बने। इसलिए, इस जनहित से जुड़े मामले में स्थानीय प्रशासन व नगर पालिका प्रशासन सहित कांग्रेस व बीजेपी के सभी जनप्रतिनिधियों को तुरंत प्रभाव से आगे आना चाहिए। तथा शेष बचे खांचा भूमि वाले स्थान पर सीसी सड़क बनवाई जाए जिससे सभी नागरिकों को काफी हद तक राहत मिलेगी तथा इसी के पास तीन निजी चिकित्सालय और भी है जहा दिन रात मरीजों का आना जाना भी लगा रहता है।जनभावनाओं की कद्र करते हुए जनहित में यह सड़क दोनों तरफ की दिवारो से टच करते हुए बनवाई जानी चाहिए। इस जनहित के मामले में किसी भी प्रकार की कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह सरकारी आम रास्ता सभी के काम आने वाला है यह मामला किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है।

डिजिटल युग का सबसे बड़ा नुकसान

बचपन की चोरी, तकनीक युग के चकाचौंध में खोती मासूमियत की करुण कहानी

सवाई माधोपुर। कभी गांव की गलियों में धूल उड़ाते बच्चे, स्कूल से लौटकर पतंग उड़ाने, लट् घुमाने और कंचे खेलने दौड़ते थे। उनकी दुनिया रंगों, मिट्टी और मासूम हंसी से सजी होती थी। आज वही गलियां सूनी हैं। खेल के मैदानों की जगह मोबाइल की स्क्रीन ने ले ली है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक और भावनात्मक पतन की कहानी है।

बदलती दुनिया और सिकुड़ता बचपन

21वीं सदी ने तकनीक को जीवन का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। मोबाइल फोन ने दुनिया को मुट्ठी में ला दिया, पर इसी मुट्ठी में बचपन भी कैद हो गया। जो हथेलियां कभी मिट्टी में खेलती थीं, अब स्क्रीन पर स्वाइप करती हैं। जो आंखें कभी आसमान में पतंग ढूंढती थीं, अब यू-ट्यूब पर कार्टून तलाशती हैं। तकनीक सुविधा देती है, लेकिन जब वही सुविधा आदत बन जाए तो खतरे की घंटी बज उठती है। वर्तमान समय के बच्चे दोस्तों के साथ नहीं, बल्कि मोबाइल ऐप्स के साथ खेलते हैं। गेम खेलना अब खुले मैदानों में नहीं, बल्कि बंद कमरों में नीली रोशनी के नीचे होता है।

माता-पिता की सुविधा, बच्चों की लाचारी

अभिभावक अपनी व्यस्तता या काम के दबाव में अक्सर बच्चों को शांत रखने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। यह एक 'डिजिटल लोरी' बन गई है जो बच्चे को चुप तो रखती है, पर उसका बचपन धीरे-धीरे सोख लेती है। बच्चे अब खेलों में नहीं, बल्कि स्क्रीन टाइम में व्यस्त हैं। माता-पिता सोचते हैं कि बच्चा सुरक्षित है, घर में है पर सच यह है कि वह एक अदृश्य दुनिया में खो रहा है, जहां न दोस्त हैं, न असली हंसी।

स्वास्थ्य, व्यवहार और सोच पर प्रभाव

मोबाइल की लत बच्चों के शरीर और दिमाग दोनों पर असर डाल रही है। आंखों की रोशनी घट रही है, नींद कम हो रही है, मस्तिष्क की एकाग्रता घट रही है, और सबसे खतरनाक सामाजिक व्यवहार समाप्त हो रहा है। अब बच्चे बातों से नही इमोजी से भावनाएं व्यक्त करते हैं। उन्हें असली दोस्त का अर्थ नहीं पता, क्योंकि उनके फ्रेंड लिस्ट में सैकड़ों नाम हैं पर कोई दिल का साथी नहीं।

शिक्षा पर भी भारी पड़ता मोबाइल

ऑनलाइन क्लास के नाम पर बच्चे खेल और सोशल मीडिया में उलझ जाते हैं। पढ़ाई और मनोरंजन की सीमाएं मिट चुकी हैं। जहां मोबाइल को शिक्षा का साधन बनना था, वहीं यह आलस्य और ध्यान भटकाने का औजार बन गया है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से विशेषज्ञों के अनुसार, मोबाइल की अधिकता से बच्चों में एकाकीपन, गुस्सा, चिड़चिड़ापन और आत्मकेंद्रित व्यवहार बढ़ रहा है। उनकी कल्पनाशक्ति सीमित हो रही है क्योंकि हर चीज उन्हें तैयार मिल रही है न उन्हें सोचने की जरूरत है, न खोजने की। जो बचपन कभी जिज्ञासा और सवालों से भरा था, वह अब स्क्रीन पर स्क्रॉल करने तक सिमट गया है। बचपन लौटाना कठिन नहीं, बस संकल्प चाहिए। अभिभावक मोबाइल की जगह बच्चों को समय दें। परिवार के साथ खेलें, बात करें, किताबें पढ़ें। स्कूलों में खेल, कला और सामूहिक गतिविधियों को फिर जीवित करें। मोबाइल को जरूरत तक सीमित करें, आदत न बनने दें। बचपन एक बार चला जाए, तो लौटकर नहीं आता। मोबाइल एक उपकरण है, लेकिन जीवन का विकल्प नहीं। हमें बच्चों को फिर से धूल में खेलना, बारिश में भीगना, किताबों में खो जाना और पेड़ पर झूला झूलना सिखाना होगा। वरना आने वाली पीढ़ी किताबों में "बचपन" का अर्थ ढूंढेगी और मोबाइल की स्क्रीन पर जीवन जिएगी। मोबाइल को दोष नहीं, पर नियंत्रण आवश्यक है। तकनीक हमें आगे ले जाए, पर बच्चों का बचपन पीछे न छोड़ दे क्योंकि अगर बचपन ही छिन गया, तो भविष्य किसके हाथ में रहेगा।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने वर्ष 2026-29 के लिए गवर्निंग बॉडी चुनावों की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) ने शासी निकाय की 53वीं बैठक के दौरान सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के बाद वर्ष 2026-29 के लिए अपने आगामी शासी निकाय चुनावों को कराने की औपचारिक घोषणा की है। यह निर्णय, लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और मजबूत संस्थागत शासन को लेकर इस चैंबर की सतत प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। ये चुनाव इस संगठन के स्थापित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार कराए जाएंगे। ब्रिक्स सीसीआई अपने आंतरिक शासन की रूपरेखा को निरंतर मजबूत करते हुए ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक सहयोग, व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए सतत रूप से समर्पित है। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) एक गैर लाभकारी संगठन है जो ब्रिक्स और इसके साझीदार देशों के बीच आर्थिक गठबंधन के एक प्रकाशस्तंभ के रूप में कार्य करता है। यह एक ऐसा वातावरण तैयार करता है जहां कारोबारी फल फूल सकें, नवप्रवर्तन कर सकें और विभिन्न पहल, मंचों और नेटवर्किंग अवसरों के जरिए विस्तार कर सकें।

सोने-चांदी के भाव में तेजी, जंग खत्म होने की उम्मीद के बीच खरीदें या करें इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया से पहले सोने और चांदी के दामों में तेजी देखने को मिल रही है।

कमजोर डॉलर और अमेरिका-ईरान में जंग खत्म होने की उम्मीदों के बीच गोल्ड-सिल्वर के भाव चढ़ गए हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर गोल्ड का भाव आज सुबह 0.50 प्रतिशत चढ़कर 1,54,668 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। जबकि, एमसीएक्स सिल्वर में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी थी और यह 2,55,735 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। इंटरनेशनल मार्केट में क्या हैं सोने-चांदी के भाव : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत 0.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4,820 प्रति औंस हो गई, जबकि चांदी की कीमत 1.5 प्रतिशत बढ़कर लगभग 80 प्रति औंस हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत पाकिस्तान में अगले दो दिनों में हो सकती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर समझौता होता है, तो क्रूड की कीमतें और गिर सकती हैं, जिससे महंगाई और विकास दर पर चिंता कम होगी। इसके अलावा अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, वहीं भारतीय बाजार में भी सेंटीमेंट सुधरा है।

बंद होने जा रही थी शू कंपनी, फिर चला एआई का ऐसा जादू कि शेयर एक दिन में 876 प्रतिशत उछल गए

नई दिल्ली, एजेंसी। ईको-फ्रेंडली जूतों से एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तक ऑलबर्ड्स इंक का बड़ा यू-टर्न ने उसके शेयरों में जान फूंक दी। कंपनी के शेयर एक झटके में 10 गुना तक बढ़ गए। इस पूरी घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि मौजूदा मार्केट में एआई शब्द ही निवेशकों के लिए बड़ा ट्रिगर बन चुका है। कभी ईको-फ्रेंडली जूतों के लिए मशहूर रही ऑलबर्ड्स इंक ने 31 मार्च को ऐलान किया था कि वह अपना कारोबार बंद कर अपनी सभी एसेट्स महज 39 मिलियन डॉलर में बेच देगी, लेकिन कुछ ही दिनों में कहानी पूरी तरह बदल गई। कंपनी ने अब शटडाउन प्लान कैंसिल कर ट्रू कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में उतरने का फैसला किया है और खुद को रीब्रांड करने का ऐलान किया है। कंपनी के इस यू-टर्न का असर शेयर मार्केट में तुरंत दिखा। मंगलवार को 2.49 डॉलर पर बंद हुआ, शेयर बुधवार को कुछ ही मिनटों में करीब 10 गुना तक उछल गया और 24.31 डॉलर के इंट्राडे हाई को टच कर गया। यह करीब 876 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी थी। हालांकि, बाद में इस स्टॉक में मुनाफावसूली देखने को मिली, लेकिन इसके बावजूद शेयर 582 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

एसएंडपी ग्लोबल ने डाउनटाउन गुड़गांव में नए ऑफिस के साथ भारत में उपस्थिति मजबूत की

नवप्रवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के तौर पर प्रतिबद्धता दर्शाता है

गुरुग्राम, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल ने डाउनटाउन गुरुग्राम में अपने अत्याधुनिक कार्यालय का उद्घाटन करने की आज घोषणा की। यह कदम इस कंपनी की इस शहर में दीर्घकालीन उपस्थिति में एक बड़े निवेश का प्रतीक है और इस देश में एसएंडपी ग्लोबल के 16,000 से अधिक सहकर्मियों की उपस्थिति के साथ प्रतिभा के लिए एक रणनीतिक केंद्र के तौर पर भारत की भूमिका को बल प्रदान करता है। अध्यक्ष और एसएंडपी ग्लोबल में डिजिटल टेक्नोलॉजी सर्विसेज के सीटीओ यान ले पैलेक सहित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। इस नए डाउनटाउन कार्यालय में टेक्नोलॉजी, डेटा, ऑपरेशंस और ग्राहक सफलता के कार्यों में एक हाइब्रिड वर्क मॉडल में 3,500 से अधिक सहकर्मी कार्य करेंगे। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस एवं एंटरप्राइस डेटा ऑर्गनाइजेश में एसएंडपी ग्लोबल के भारत स्थित कार्यबलों के स्तर को देखते हुए सौगात साहा ने कहा, भारत वृद्धि के लिए तैयार है और यह विश्व में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। मौलिकता की हमारी वैश्विक रणनीति के अनुरूप असाधारण प्रतिभा के साथ यह एसएंडपी ग्लोबल के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा, यह निवेश भारत के भविष्य में हमारे भरोसे और हमारे लोगों को

एक ऐसा वातावरण उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है जो नवप्रवर्तन और गठबंधन को बढ़ावा दे। यहां मौजूद प्रतिभाएं आवश्यक सूचनाओं को आगे बढ़ाने और दुनियाभर में हमारे ग्राहकों और समुदायों के लिए प्रभावशाली समाधान प्रदान करने के हमारे मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया की प्रबंध निदेशक नीलम पटेल ने कहा, हमारा नया गुरुग्राम डाउनटाउन कार्यालय हमारे पीपलफॉरवर्ड दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का मानव केंद्रित डिजाइन के साथ सामंजस्य स्थापित कर हम अपने सहकर्मियों के समग्र कल्याण को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सर्वोत्तम कार्य करने के लिए सशक्त बना रहे हैं। यह एक कार्यालय से कहीं अधिक एक ऐसा स्थान है जिसे संपर्क, रचनात्मकता और समुदाय को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। उद्घाटन समारोह में कई अन्य प्रमुख नेता भी शामिल हुए जिससे इस नए केंद्र का अंतर विभागीय महत्व रेखांकित होता है। इनमें एसएंडपी ग्लोबल के एंटरप्राइस डेटा ऑर्गनाइजेशन के डेटा हेड अभिषेक तोमर, गुरुग्राम एवं नोएडा के परिचालन प्रमुख विनय अरोड़ा, एंटरप्राइस डेटा ऑर्गनाइजेशन के लिए हेड ऑफ पीपुल एवं हेड ऑफ पीपुल सॉल्यूशंस- इंडिया भावना बत्रा, एसएंडपी ग्लोबल के एंटरप्राइस डेटा ऑर्गनाइजेशन के टेक्नोलॉजी प्रमुख डैन बेनेट, एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर फ्रैंक तारसिलो, एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के लिए चीफ कस्टमर एक्सपीरिएंस ऑफिसर ओ हारा मैकेन और एसएंडपी ग्लोबल फाउंडेशन के अध्यक्ष शेरलिन शेन सहित अन्य शामिल हुए।

मार्च 2026 से अब तक 4.40 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच को मज़बूत करने और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से, एक समन्वित नीतिगत ढाँचे के तहत पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) के विस्तार में तेज़ी लाने का काम शुरू किया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। तेज़ी से हो रहे इस विस्तार के तहत, मार्च 2026 के बाद से लगभग 4.40 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं, जबकि 4.88 लाख अतिरिक्त उपभोक्ताओं ने नए पीएनजी कनेक्शन के लिए रजिस्टर किया है। इन आँकड़ों से साफ़ है कि नीतिगत विस्तार के चलते पीएनजी के अडॉप्शन में ज़बरदस्त तेज़ी आई है। सरकार की पीएनजी विस्तार रणनीति के तहत ये प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें 'प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026' की अधिसूचना भी शामिल है, जो तय समय-सीमा के भीतर 'शहरी गैस वितरण' इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों में इसके कार्यान्वयन को संभव बनाती है। घरों तक पीएनजी की पहुँच को और अधिक तेज़ी से बढ़ाने के लिए, सरकार ने 'राष्ट्रीय पीएनजी अभियान 2.0' को 30 जून 2026 तक आगे बढ़ा दिया है। इस अभियान के द्वारा जल्द से जल्द कनेक्शन देने, माँग बढ़ाने, और केंद्रीय एजेंसियों, सीजीडी संस्थाओं एवं राज्य प्रशासनों के बीच आपसी तालमेल के साथ कार्यान्वयन पर विशेष ज़ोर दिया जा रहा है। पीएनजी विस्तार के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी जाने वाली बुनियादी सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसमें जल्द अनुमोदन देना, स्थानीय स्तर पर तालमेल बनाना और लास्ट-माईल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए ज़रूरी बुनियादी ढाँचा बनाना शामिल है। साथ ही, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि वे पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी जैसी आवश्यक कोमोडिटीज़ की आपूर्ति पर निगरानी रखें, ताकि बदलाव के इस दौर में एनर्जी की पहुंच के लिए संतुलित ढाँचा सुनिश्चित किया जा सके। ये सभी उपाय पीएनजी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए व्यवस्थित और नीतिगत दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इनका उद्देश्य स्वच्छ ईंधन तक पहुँच बढ़ाना, शहरी ऊर्जा वितरण व्यवस्था में सुधार लाना, और गैस-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बदलाव को मज़बूत बनाना है।

महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई को सहारा देने के लिए एक्सिस बैंक ने लॉन्च की 'वूमेंस स्मॉल बिजनेस बैंकिंग' सुविधा

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने अपनी वूमेंस स्मॉल बिजनेस बैंकिंग सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए किफायती और व्यवस्थित वित्तीय समाधानों तक पहुंच को आसान बनाना है। यह पेशकश कर्ज सुविधाओं को व्यापक बैंकिंग सेवाओं और करंट अकाउंट के फायदों के साथ जोड़ती है। इसका मकसद महिला-मालकिन वाले व्यवसायों की तरक्की और स्थिरता को बढ़ाने के लिए एक संपूर्ण बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है। इस पहल के तहत महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई को विशेष दरों का लाभ मिल सकता है, जिसमें सिक्योर्ड और क्रेडिट-गारंटी आधारित लोन पर ब्याज दरों में रियायत शामिल है। इसके साथ ही, करंट अकाउंट से जुड़े तय फायदे भी मिलते हैं, जो रोजमर्रा के बिजनेस लेनदेन और नकदी प्रबंधन को सरल बनाते हैं। इसका उद्देश्य किफायती कर्ज तक पहुंच सुधारना और महिला उद्यमियों को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद करना है। वूमेंस स्मॉल बिजनेस बैंकिंग की यह सुविधा कई तरह के व्यवसायों के लिए उपलब्ध है, जिनमें सोल प्रोप्राइटरशिप, पार्टनरशिप, एलएलपी और प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां शामिल हैं। ये लाभ लोन की पूरी अवधि तक लागू रहते हैं और एक्सिस बैंक की शाखाओं में मौजूद स्मॉल बिजनेस बैंकिंग टीमों के जरिए प्रदान किए जाते हैं। इस लॉन्च पर एक्सिस बैंक के प्रेसिडेंट और हेड (कमर्शियल बैंकिंग ग्रुप), विजय शेट्टी ने कहा, महिला-नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भारत की आर्थिक प्रगति का एक गतिशील स्तंभ हैं। उद्यम पोर्टल पर 3 करोड़ से अधिक महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई पंजीकृत हैं, और उद्यमिता, रोजगार व नवाचार में उनका योगदान लगातार बढ़ रहा है। जैसे-जैसे भारत मल्टी-ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, इन उद्यमों के लिए व्यवस्थित वित्तीय समाधानों तक पहुंच मजबूत करना बड़ी आर्थिक संभावनाओं को खोल सकता है और समावेशी विकास को गति दे सकता है।

टाटा मोटर्स ने अपने लखनऊ प्लांट में 10 लाख कमर्शियल गाड़ियों के प्रोडक्शन का माइलस्टोन हासिल किया

लखनऊ, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड ने आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें कमर्शियल वाहन को रोल-आउट किया गया। यह महत्वपूर्ण पड़ाव उत्तर प्रदेश में टाटा मोटर्स की साढ़े तीन दशकों से अधिक की उपस्थिति और औद्योगिक उत्कृष्टता, आर्थिक विकास, कौशल विकास व रोजगार सृजन में इसके योगदान को दर्शाता है।

ऐसे समय में जब भारत का कमर्शियल वाहन उद्योग साफ-सुथरी, स्मार्ट और ज्यादा कुशल तकनीक की ओर बढ़ रहा है, यह उपलब्धि भविष्य की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को आकार देने में टाटा मोटर्स की अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। यह 10 लाखवां वाहन एक जीरो-एमिशन (शून्य उत्सर्जन) इलेक्ट्रिक बस है, जो उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा मोटर्स की ग्रीन मोबिलिटी के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। यह कदम राज्य सरकार के 2070 के नेट-जीरो विजन और कंपनी के 2045 तक नेट-जीरो लक्ष्य के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

इस इलेक्ट्रिक बस को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन श्री एन. चंद्रशेखरन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर

माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, टाटा मोटर्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ श्री गिरीश वाघ के साथ कई माननीय मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और टाटा मोटर्स के वरिष्ठ नेतृत्व मौजूद रहे।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें ट्रक और बस का तैयार होकर निकलना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि हमारे राज्य की क्षमताओं, यहाँ की अपार संभावनाओं और यहाँ के प्रतिभाशाली लोगों की पहचान है। हमारा सपना उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, जिसमें उद्योगों और उद्यमियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। हमारा राज्य बड़े बिजनेस के लिए एक बेहतरीन माहौल देता है, जहाँ बड़ा उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा और शानदार कनेक्टिविटी मौजूद है। उत्तर प्रदेश में टाटा मोटर्स की यह सफलता हमारे इकोसिस्टम की मजबूती को दिखाती है। यह जिम्मेदारी से की जा रही औद्योगिक तरक्की को बढ़ावा देने, रोजगार के नए अवसर पैदा करने, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक विकास के सतत् विकास के प्रति हमारे संकल्प को और मजबूत करती है।

1992 में स्थापित टाटा मोटर्स का लखनऊ प्लांट आज कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण कमर्शियल वाहन निर्माण केंद्रों में से एक बन चुका है। यहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रक और बसें बनाई जाती हैं, जिनमें शून्य-उत्सर्जन इलेक्ट्रिक और फ्यूल-सेल गाड़ियाँ भी शामिल हैं।

बिमटेक ने इरासम्स+ फंडेड कोडेसेट के जरिए सर्कुलर इकोनॉमी शिक्षा को उद्योग की जरूरतों के साथ जोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा स्थित बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने हाल ही में इरासम्स+ द्वारा फंडेड कोडेसेट(नॉलेज डेवलपमेंट फॉर सर्कुलर इकोनॉमी ट्रांजिशन) प्रोजेक्ट के तहत दो रीजनल मल्टीप्लायर इवेंट्स सफलतापूर्वक आयोजित किए, जिनका फोकस सर्कुलर इकोनॉमी एजुकेशन को आगे बढ़ाने और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल 4 के अनुरूप इनोवेटिव पेडागॉजिकल प्रैक्टिसेज को प्रमोट करने पर रहा। इन इवेंट्स में फैकल्टी मेंबर्स, एकेडेमिक लीडर्स, सीएसआर प्रोफेशनल्स, सस्टेनेबिलिटी प्रैक्टिशनर्स, इंडस्ट्री रिप्रेजेंटेटिव्स और डिजी-सस्टिच व कोडेसेट प्रोजेक्ट टीम्स के मेंबर्स शामिल हुए।

यह एक कोलैबोरेटिव प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आया, जहां इस बात पर चर्चा की गई कि सर्कुलर इकोनॉमी के प्रिंसिपल्स को हायर एजुकेशन करिकुलम और टीचिंग प्रैक्टिसेज में सिस्टेमैटिक तरीके से कैसे इंटीग्रेट किया जा सकता है।

इवेंट में शामिल प्रतिनिधि को संबोधित करते हुए डायरेक्टर बिमटेक डॉ. प्रबीना राजिब ने हायर एजुकेशन की बदलती भूमिका पर जोर देते हुए कहा, हायर एजुकेशन का फ्यूचर इस बात में निहित है कि वह नॉलेज को रिस्पॉन्सिबिलिटी के साथ कैसे अलाइन करता है। सर्कुलर इकोनॉमी एक मजबूत फ्रेमवर्क प्रदान करती है, जो स्टूडेंट्स को सिर्फ करियर्स के लिए ही नहीं बल्कि सस्टेनेबल सिस्टम्स और सोसाइटी ट्रांसफॉर्मेशन में योगदान देने के लिए तैयार करती है।

इवेंट की शुरुआत कोडेसेट प्रोजेक्ट के ओवरव्यू से हुई, जो भारत, थाईलैंड और यूरोप के संस्थानों को शामिल करने वाला एक इंटरनेशनल इनिशिएटिव है, जिसका उद्देश्य करिकुलम डेवलपमेंट,

डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म्स और इंडस्ट्री एंगेजमेंट के माध्यम से कैपेसिटी बिल्डिंग करना है। इवेंट की एक प्रमुख हाइलाइट कोडेसेट का थ्री-कोर्स फ्रेमवर्क रहा, जो सर्कुलर इकोनॉमी एजुकेशन के लिए एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच प्रदान करता है। इस फ्रेमवर्क में कॉन्सेप्चुअल फाउंडेशंस , इम्प्लीमेंटेशन और डिलीवरी और स्टेकहोल्डर-ड्रिवन सिस्टम लीडरशिप शामिल हैं।

कोडेसेट की नेशनल लीड डॉ. वीनू शर्मा ने कहा, सर्कुलर इकोनॉमी एजुकेशन को फ्रैगमेंटेड टीचिंग से स्ट्रक्चर्ड करिकुलम डिजाइन की ओर ले जाना जरूरी है। सेशंस में हायर एजुकेशन की भूमिका पर भी चर्चा हुई, जिसमें रिस्पॉन्सिबल सिटिजनशिप, एथिकल लीडरशिप और सस्टेनेबिलिटी-ड्रिवन डिसीजन-मेकिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 में अब तक की सबसे अधिक बुकिंग

कलेक्शन और परिचालन नकदी प्रवाह दर्ज किया

मुंबई। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही और पूरे वर्ष के प्रमुख परिचालन परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने इस वित्त वर्ष में बुकिंग मूल्य, कलेक्शन, ऑपरेटिंग कैश फ्लो और बिज़नेस डेवलपमेंट के मामले में अब तक का सर्वोच्च प्रदर्शन दर्ज किया।

प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज प्रॉपर्टीज के एमडी और सीईओ गौरव पांडे ने कहा- वित्त वर्ष 2026 में जीपीएल के शानदार प्रदर्शन से भारत के प्रमुख मेट्रो बाजारों में बेहतरीन डिजाइन और उच्च गुणवत्ता वाले घरों की मजबूत मांग का पता चलता है। वित्त वर्ष 2026 में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित भावी बुकिंग मूल्य के साथ हमारे नए व्यावसायिक विकास से यह सुनिश्चित होगा कि आने वाले वर्षों में हमारी परियोजनाओं की श्रृंखला मजबूत बनी रहे। पिछले दो वित्तीय वर्षों में हमने 15,000 करोड़ रुपये से अधिक का संयुक्त परिचालन नकदी प्रवाह अर्जित किया है, जिससे हम विकास के लिए निवेश करने के साथ-साथ अपनी बैलेंस शीट को भी मजबूत कर पा रहे हैं। हम डिजाइन, निर्माण गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी, स्थिरता और नवाचार में उत्कृष्टता के माध्यम से वित्त वर्ष 2027 में इस गति को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अब तक की सबसे अधिक तिमाही और पूरे वर्ष की बुकिंग दर्ज की वित्त वर्ष 2026 में बुकिंग मूल्य में वार्षिक आधार पर 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 34,171 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह वृद्धि 27 मिलियन वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाली 17,515 इकाइयों की बिक्री के माध्यम से हासिल की गई, जो वार्षिक आधार पर 5त्र की वृद्धि है। यह भारत में किसी भी सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा अब तक का सबसे अधिक वार्षिक बुकिंग मूल्य और मात्रा है। जीपीएल ने वित्त वर्ष 2026 के लिए बुकिंग मूल्य के अपने वार्षिक अनुमान का 105त्र हासिल किया है।

कोका-कोला इंडिया ने दिलजीत दोसांझ और जान्हवी कपूर के साथ 'हाफटाइम' पलों को दिया एक नया नज़रिया

नई दिल्ली एजेंसी। कोका-कोला ने आज अपने नए कैंपेन की घोषणा की है, जिसमें दिलजीत दोसांझ और जान्हवी कपूर नज़र आएंगे। यह कैंपेन रोजमर्रा की जिंदगी के छोटे-छोटे पलों में कोका-कोला हाफटाइम के विचार को जीवंत करता है। इस कैंपेन का मूल आधार यह विश्वास है कि एक हाफटाइम (छोटा ब्रेक) का मतलब सिर्फ दिन को कुछ देर के लिए रोकना नहीं, बल्कि आपको फिर से उस पल से जोड़ना होना चाहिए।

कोका-कोला अपने लाजवाब और ताज़गी भरे स्वाद के साथ उस स्फूर्तिदायक ब्रेक की भूमिका निभाता है, जो रोजमर्रा के अनुभवों में अपनेपन और जुड़ाव का अहसास कराता है। यह एक सरल और सहज हिस्सा बन जाता है—एक ऐसा छोटा लेकिन असरदार हाफटाइम, जो लोगों को वर्तमान में रहने, अपने आसपास के लोगों के करीब महसूस करने और अपने माहौल के साथ तालमेल बिठाने में मदद करता है। कोका-कोला इंडिया एवं साउथवेस्ट एशिया के सीनियर डायरेक्टर (मार्केटिंग), कार्तिक सुब्रमणियन ने कहा, आज के उपभोक्ता पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त और तेज़ रफ्तार जिंदगी

जी रहे हैं। फिर भी, वे उन छोटे और सार्थक ब्रेक को ज्यादा महत्व देते हैं जो उन्हें वर्तमान पल से जुड़े रहने में मदद करते हैं। अपने सिग्नेचर स्वाद के लिए मशहूर कोका-कोला लंबे समय से इन रोजमर्रा की आदतों का हिस्सा रहा है। यह कैंपेन इसी बात का जश्न मनाता है कि कैसे एक साधारण सा 'हाफटाइम' लोगों को उनके आसपास की जरूरी चीजों के करीब ला सकता है। डब्ल्यूपीपी ओपन एक्स के तहत वीएमएल द्वारा तैयार की गई इस कैंपेन की फिल्में उन 'बीच के पलों' की खूबसूरती को पकड़ती हैं—यानी वे ऑटोपायलट वाले पल जब हम शारीरिक रूप से तो मौजूद होते हैं, लेकिन मानसिक रूप से कहीं और। चाहे वह रिहर्सल की लय में खोए दिलजीत दोसांझ हों या दोस्तों के साथ होते हुए भी अपने ख्यालों में डूबी जान्हवी कपूर—कोका-कोला की एक चुस्की एक ताज़गी भरी चमक की तरह काम करती है। यह एक घूंट दुनिया को फिर से फोकस में ले आता है और एक सामान्य ब्रेक को एक खुशनुमा अनुभव में बदल देता है जो आपको वर्तमान से जोड़ देता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए वीएमएल के एग्जीक्यूटिव क्रिएटिव डायरेक्टर नकुल शर्मा और तीर्थ घोष ने कहा, हमारे लिए यह कैंपेन एक सार्वभौमिक मानवीय सच्चाई को दिखाने के बारे में था। हम सभी वर्तमान में रहना चाहते हैं, लेकिन आधुनिक जीवन हमें लगातार उससे दूर खींचता है।

फ्लिपकार्ट अब ऊबर की हर राईड पर देगा सुपरकॉईन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के होमग्रोन ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट ने भारत के प्रमुख मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स में से एक, ऊबर के साथ साझेदारी की है, जिसके अंतर्गत ऊबर की हर राईड पर फ्लिपकार्ट यूज़र्स सुपरकॉईन प्राप्त कर सकेंगे। इस साझेदारी के साथ सुपरकॉईन का विस्तार लाईफस्टाईल लॉयल्टी प्रोग्राम तक हो गया है, जिससे यूज़र्स को अपने दैनिक आवागमन के लिए सुपरकॉईन प्राप्त होंगे। इससे, एक तरफ, जहाँ पूरे भारत में लॉयल्टी सिस्टम के साथ रिवार्ड प्रोग्राम बनाने का फ्लिपकार्ट का लक्ष्य आगे बढ़ेगा, वहीं, दूसरी तरफ, ऊबर राईडर्स को अपनी दैनिक मोबिलिटी पर ज्यादा फायदा भी मिलेगा।

अपने फ्लिपकार्ट और ऊबर खातों को लिंक करके यूज़र्स हर राईड के लिए अपने किराए पर 4 प्रतिशत तक सुपरकॉईन प्राप्त कर सकेंगे। हर ट्रिप के लिए अधिकतम 150 सुपरकॉईन मिलेंगे, तथा कुल कितने सुपरकॉईन हासिल किए जा सकते हैं, इसकी कोई सीमा नहीं होगी। ये सुपरकॉईन सीधे यूज़र के फ्लिपकार्ट खाते में क्रेडिट कर दिए जाएंगे तथा इन्हें फ्लिपकार्ट और इससे जुड़ी कंपनियों, जैसे फ्लिपकार्ट

मिनट्स, क्लियरट्रिप और पार्टनर कंपनियों की पेशकशों पर रिडीम किया जा सकेगा। या जिन यूज़र्स ने पिछले 84 दिनों में ऐप का उपयोग नहीं किया है, वो अपने खातों को लिंक करके 28 दिनों के अंदर अपनी पहली राईड पूरी करके 150 बोनस सुपरकॉईन प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, जो यूज़र 15 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2026 के बीच अपने फ्लिपकार्ट और ऊबर खाते लिंक करेंगे, वो 28 दिन के अंदर अपनी पहली राईड पूरी करके अतिरिक्त 50 बोनस सुपरकॉईन प्राप्त कर सकेंगे। गौरव अरोड़ा, वाईस प्रेसिडेंट, पेमेंट्स एंड सुपरकॉईन्स, फ्लिपकार्ट ने कहा, ''सुपरकॉईन रोजमर्रा के उपयोग के दौरान एक व्यापक रिवार्ड प्रोग्राम के रूप में विकसित हो रहे हैं। मोबिलिटी में इनका विस्तार स्वाभाविक है। ऊबर के साथ इस साझेदारी द्वारा हम ग्राहकों के दैनिक लेन-देन को ज्यादा सुगमता से इंटीग्रेट कर सकेंगे। आगे चलकर हम सुपरकॉईन को अन्य श्रेणियों तक ले जाएंगे, ताकि पूरे परिवेश में ज्यादा गहराई तक इसकी प्रतिभागिता सुनिश्चित हो सके।'' ऊबर इंडिया और साउथ एशिया के डायरेक्टर, बिज़नेस डेवलपमेंट, अर्णब कुमार ने कहा, ''ऊबर में हम दैनिक मोबिलिटी को अपने ग्राहकों के लिए ज्यादा आसान और मूल्यवान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यामी गौतम से तुलना पर मेधा शंकर

बोलीं-फर्क नहीं पड़ता, मैं बस उनकी फैन हूं

अभिनेत्री मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में लीड रोल निभाने के कारण उनकी तुलना पहली फिल्म की हीरोइन यामी गौतम से हो रही है, लेकिन मेधा ने इन तुलनाओं पर साफ कहा है कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। एक इंटरव्यूह के दौरान मेधा शंकर ने बताया, 'ऐसा कुछ भी नहीं है। मैं यामी गौतम और आदित्य धर दोनों को बहुत पसंद करती हूं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि मैं उनकी कितनी बड़ी फैन हूं। यामी हमेशा से ही एक बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं। कभी-कभी सम्मान मिलने में थोड़ा समय लग जाता है लेकिन उनका समय जरूर आएगा।' मेधा ने आगे जोड़ा, 'यह तुलना की बात नहीं है। मैं उन सभी लोगों से प्रेरित होती हूं जिन्होंने मुझसे पहले, बाद या साथ में बेहतरीन काम किया है। मैंने कभी किसी से अपनी तुलना नहीं की और अगर कोई दूसरा करता भी है तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। 'मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'तुमपे ही प्यार आ गया' हाल ही में जारी किया है। इस गाने का संगीत सुशांत-शंकर की जोड़ी ने मिलकर तैयार किया जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने को लेकर मेधा शंकर ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो मैं लिरिक्स में कहीं खो सी गई थी। यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि प्यार के अलग-अलग रंगों को दिखाने वाला एक अनुभव है। ''गिन्नी वेड्स सनी' का पहला भाग साल 2020 में रिलीज हुआ था। इस हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी में यामी गौतम और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब इसके सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नई जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में मेधा शंकर के साथ अविनाश तिवारी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में मेधा शंकर पहली बार रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में लीड रेल निभा रही हैं। दर्शक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्सुक हैं।

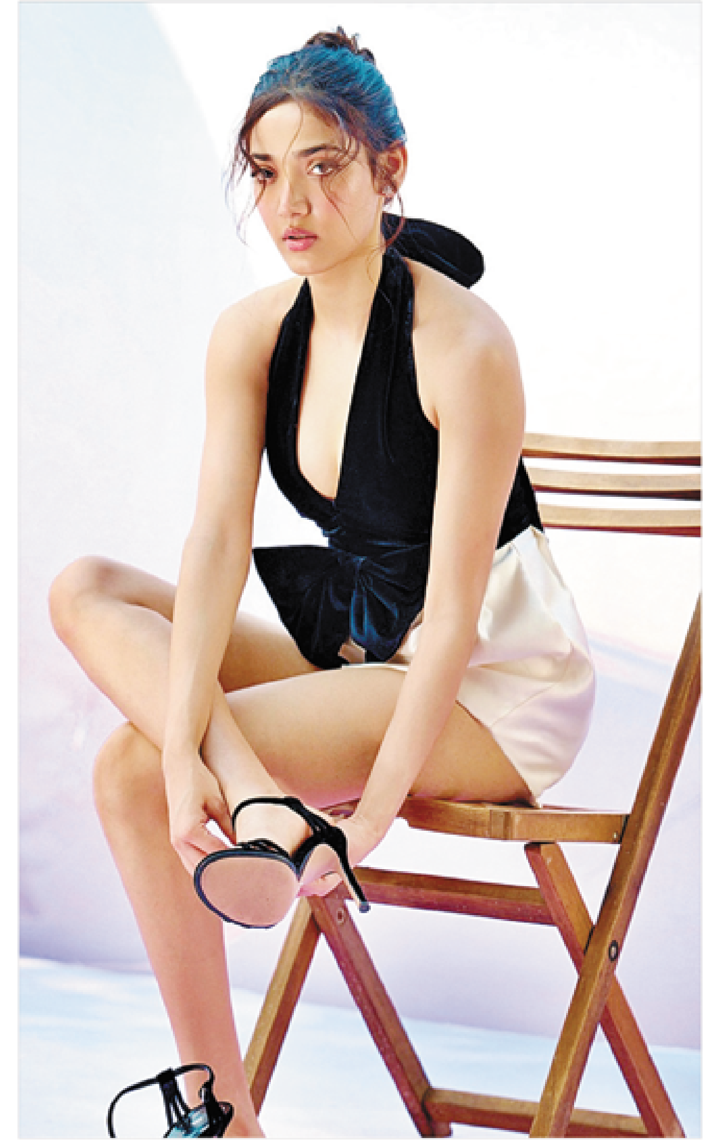

मुझे उम्मीद नहीं थी कि मिंटू के किरदार के इतने अलग पहलू देखने को मिलेंगे

अंजुम बत्रा

लोकप्रिय कोर्ट ड्रामा सीरीज 'मामला लीगल है-2' में मिंटू का किरदार निभाने वाले अभिनेता अंजुम बत्रा ने एक इंटरव्यू में अपने किरदार को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिंटू ज्यादातर बीडी त्यागी की परछाई जैसा था। वह एक वफादार दोस्त है, जो अपने लोगों के साथ हमेशा खड़ा रहता था और दोस्ती को बहुत ही खूबसूरती से निभाता था। उससे सीखने के लिए बहुत कुछ है। पहले सीजन में मिंटू का किरदार मुख्य रूप से कॉमेडी तक सीमित था, लेकिन सीजन-2 में इस किरदार को काफी गहराई दी गई। मुझे खुद उम्मीद नहीं थी कि मिंटू के इतने अलग-अलग पहलू दिखाए जाएंगे। इस बार उसके साथ एक लव ट्रैक है, जिम्मेदारी का गहरा एहसास और सुजाता के साथ चैंबर में हल्की-फुल्की नोक-झोंक भी है। अभिनेता ने निर्देशक राहुल पांडे की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कहानी में बहुत अच्छी गहराई जोड़ी। लेखकों ने शो को दिलचस्प बनाया है। निर्देशक राहुल पांडे ने इसे शानदार तरीके से पेश किया। अभिनेता ने अपने किरदार और असल जिंदगी के बीच फर्क पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा, 'जब कोई एक्टर किसी किरदार को निभाता है, तो उसकी अपने व्यक्तित्व का कुछ हिस्सा किरदार में आ ही जाता है। इसलिए मिंटू में मेरी थोड़ी-बहुत समानताएं जरूर हैं, लेकिन कुल मिलाकर हम दोनों काफी अलग इंसान हैं। 'शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए अंजुम बत्रा ने बताया कि सेट पर हर समय हंसी-मजाक का माहौल रहता था।

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा, कहा- अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ''मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।''पत्रलेखा ने कहा, ''प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है।'' अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ''अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

कुछ कहानियों के लिए बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती

ऋचा चड्ढा

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार 'कमर्शियल' एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, 'अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है?' एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन 'कम से कम ट्रेंड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सोच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके। 'उन्होंने आगे कहा, 'किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है। 'ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है।

गोल्डन गर्ल

रश्मिका मंदाना

का 'गोल्डन टच' है बरकरार!

अक्षय तृतीया का पावन त्योहार अपने साथ समृद्धि, धन और अटूट सफलता का अहसास लेकर आता है, और भारतीय सिनेमा में एक नाम ऐसा है जो इस सुनहरे प्रतीक को पूरी तरह से दर्शाता है और वह है रश्मिका मंदाना का नाम। आज पैन-इंडिया नंबर 1 हीरोइन के रूप में मशहूर रश्मिका ने यह साबित कर दिया है कि बदलते दौर की इस इंडस्ट्री में दर्शकों का प्यार और बॉक्स ऑफिस पर दबदबा कैसे हासिल किया जाता है। रश्मिका की सादगी, आकर्षण और मास अपील के अनोखे मेल ने उनके करियर को सिर्फ चमकाया ही नहीं है, बल्कि लगातार सफलता की नई ऊंचाइयां भी दी हैं। बिल्कुल सोने की तरह, जिसकी कीमत समय के साथ बढ़ती जाती है, फिल्मों में रश्मिका की मौजूदगी अब व्यावसायिक सफलता की गारंटी बन गई है। पुष्पाः द राइज' की दुनिया भर में रू350 करोड़ से ज्यादा की कमाई के साथ उन्होंने हर घर में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद फिल्म 'एनिमल' ने रू 900 करोड़ का वैश्विक आंकड़ा पार कर उन्हें नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। यह सिलसिला 'पुष्पा 2: द रूल' के साथ अपने चरम पर पहुंच गया, जिसने दुनिया भर में रू1700 करोड़ से अधिक की कमाई कर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसमें अकेले हिंदी मार्केट से 800 करोड़ का कलेक्शन शामिल था, जिसने उन्हें बॉक्स ऑफिस लीग में सबसे ऊपर खड़ा कर दिया। इस सुनहरी कामयाबी को जारी रखते हुए 'छावा' ने उनकी फिल्मोग्राफी में एक और रू.800 करोड़ से ज्यादा की सफलता जोड़ दी। एक ऐसी स्टार जिसकी फिल्में न केवल बड़ी ओपनिंग लेती हैं, बल्कि लंबे समय तक टिकी रहती हैं और अपना दबदबा बनाए रखती हैं। और यह सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। 'कॉकटेल 2', 'मायसा', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' और 'रणबाली' जैसी शानदार फिल्मों की लिस्ट के साथ, रश्मिका मंदाना भविष्य में भी अपनी इस सुनहरी कामयाबी को जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस अक्षय तृतीया पर, वह सिनेमाई समृद्धि के एक परम प्रतीक के रूप में खड़ी हैं, एक ऐसी अभिनेत्री जिनकी वैल्यू सिर्फ बढ़ती जा रही है, जिनकी सफलता कई गुना होती जा रही है, और जिनका 'गोल्डन टच' बॉक्स ऑफिस की महिमा को लगातार नए सिरे से परिभाषित कर रहा है।

इस साल की सबसे बड़ी घोषणा

लव एंड वॉर भारत

के रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन वीकेंड पर छाने के लिए तैयार है जो गुरुवार, 21 जनवरी 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी

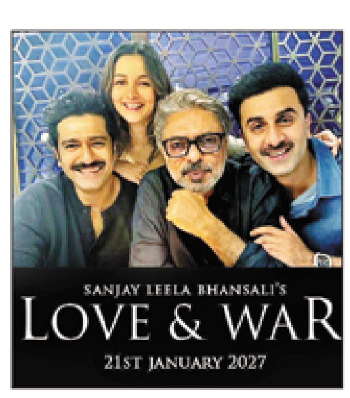

हाल के दशकों की सबसे बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट की शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी, जो एक हाई-स्टेक ड्रामा पेश करेगी। भव्य स्तर पर बनी लव एंड वॉर, संजय लीला भंसाली की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। अपनी भव्य कहानी और इमोशनल गहराई के साथ, यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी लव सागा और इंडियन सिनेमा की सबसे शानदार रोमांटिक फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है। संघर्ष और गहरे जज्बातों की पृष्ठभूमि में सेट यह फिल्म प्यार, दोस्ती, धोखा और जुनून जैसे पहलुओं को दिखाती है, जो एक दमदार और इमर्सिव सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। भंसाली की फिल्मों की वही खास पहचान, यानी ऐसी कहानी जो आपको अपनी दुनिया में डुबो दे और लाजवाब विजुअल्स यानी इस फिल्म में भी वो सब कुछ देखने को मिलेगा। उम्मीद यही है कि ये फिल्म न सिर्फ बड़े लेवल पर बनी होगी, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों के दिल को भी गहराई से छू जाएगी। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी यह फिल्म, जो अपनी बारीक कहानी और शानदार विजुअल वर्ल्ड के लिए जाने जाते हैं, स्केल और गहराई दोनों का बेहतरीन मेल पेश करने की उम्मीद है।

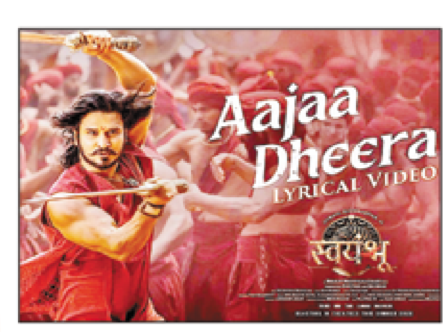

निखिल सिद्धार्थ का दिखा जबरदस्त योद्धा अवतार 'स्वयंभू' का वॉर सॉन्ग 'आजा धीरारा' हुआ रिलीज़

अपनी रिलीज से पहले जबरदस्त चर्चा बटोरते हुए, 'कार्तिकेय 2' फेम निखिल सिद्धार्थ की फिल्म 'स्वयंभू' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनी हुई है। फिल्म के टीजर ने अपने भव्य दृश्यों, ऐतिहासिक कहानी, दमदार एक्शन और बड़े स्केल से दर्शकों को काफी प्रभावित किया, जिसे 18 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले हैं और तब से इसे लेकर उत्साह लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसी एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने अब फिल्म का बहुप्रतीक्षित पहला सिंगल 'आजा धीरारा' रिलीज कर दिया है। रवि बसरूर द्वारा कंपोज किया गया यह संगीत एक शक्तिशाली और गहराई भरा अहसास कराता है। निखिल एक खूंखार योद्धा के अवतार में नजर आ रहे हैं और शानदार कोरियोग्राफी के साथ असरदार मूव्स करते दिख रहे हैं। ऐतिहासिक घटनाओं से प्रेरित 'स्वयंभू' को भरत कृष्णमाचारी ने भारत के स्वर्ण युग की एक भव्य श्रद्धांजलि के रूप में तैयार किया है। यह उस दौर की कहानी है जब भारत चीन, रोम, ग्रीस और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ मजबूत व्यापारिक रिश्तों के दम पर एक ग्लोबल सुपरपावर के रूप में उभर रहा था। फिल्म की कहानी के केंद्र में 'सेंगोल' है, जो न्यायपूर्ण शासन का एक शक्तिशाली प्रतीक है और माना जाता है कि इसका नाता भगवान राम से जुड़ा है। फिल्म की कहानी निखिल सिद्धार्थ द्वारा निभाए गए एक खूंखार योद्धा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो चोल काल के महान नौसैनिकों से प्रेरित है।'स्वयंभू' के लिए इंडस्ट्री के धुरंधर तकनीशियनों और क्रिएटिव लोगों की एक जबरदस्त टीम साथ आई है। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी के नेतृत्व में बने इस प्रोजेक्ट में 'KGF' और 'सालार' फेम रवि बसरूर का संगीत है। वहीं, 'बाहुबली' और 'RRR' के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार ने इसके विजुअल्स तैयार किए हैं और 'बाहुबली' के ही तम्मीराजू ने इसकी एडिटिंग संभाली है। लगभग 170 दिनों तक चली शूटिंग के साथ यह फिल्म हाल के समय के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है।

(साभार एजेंसी)

'टीम इंडिया में जल्द दिखेगा जलवा', वैभव की फैन हुई शेफाली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मशहूर एंकर शेफाली बग्गा ने उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह जल्द ही भारत की टी20 टीम में जगह बना सकते हैं। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है और अब उन्हें टीम इंडिया के संभावित खिलाड़ियों में देखा जा रहा है।

आत्मविश्वास बनाता है खास'

शेफाली बग्गा ने वैभव की बल्लेबाजी शैली की तारीफ करते हुए कहा, 'वह बहुत क्लास के साथ खेलते हैं और गेंदबाजों पर हावी रहते हैं। हमने पिछले साल देखा कि उन्होंने शतक बनाकर सभी को प्रभावित किया।' उन्होंने यह भी बताया कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वैभव बड़े गेंदबाजों का सामना कर रहे हैं, वह उनकी खासियत को दर्शाता है।

रिकॉर्ड्स से भरा करियर

बिहार से आने वाले वैभव ने बहुत कम उम्र में रणजी डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में शतक जड़ा और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सबसे युवा खिलाड़ी और सबसे युवा शतकवीर बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। साथ ही, अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्होंने फाइनल में 175 रन की शानदार पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता।

आईपीएल तक का शानदार सफर

वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अंडर-19 स्तर पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। यहां तक कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज के खिलाफ भी बेखौफ बल्लेबाजी की, जो उनके आत्मविश्वास को दिखाता है।

आईपीएल बना प्रतिभाओं का मंच

शेफाली बग्गा ने आईपीएल को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच बताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट लगातार नए सितारों को मौका दे रहा है। उन्होंने आयुष म्हात्रे, प्रफुल्ल हिंगे और प्रियांश आर्या जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट से निकलकर बड़ा मंच हासिल किया।

टी20 टीम में जगह बनाना तय

बग्गा ने दावा करते हुए कहा, 'वैभव सूरयवंशी जैसे कई खिलाड़ी हैं, लेकिन उसे खास बनाता है उसका माइंडसेट। मुझे लगता है कि इतनी कम उम्र में ही वह भारतीय टी20 टीम में जरूर नजर आएगा।'

अगले हफ्ते धोनी आईपीएल में वापसी कर सकते हैं

वानखेड़े या चेपॉक में खेल सकते हैं; अभी काफ इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले हफ्ते आईपीएल में वापसी कर सकते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया ने टीम सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि उनकी चोट में तेजी से सुधार हो रहा है और वह आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। धोनी को आईपीएल शुरू होने से करीब एक हफ्ते पहले प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती तीन हफ्तों में नहीं खेल पाए।

अब उनकी वापसी को लेकर कयास तेज हो गए हैं। संभावना है कि धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वह 26 अप्रैल को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेपॉक स्टेडियम में खेलते नजर आ सकते हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर हो सकता है इस्तेमाल

धोनी की वापसी के बाद सीएसके उन्हें किस भूमिका में रखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। वर्तमान में संजू सैमसन विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संभावना है कि वे ही इसे जारी रखेंगे। ऐसे में टीम धोनी को 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। इससे धोनी पर विकेटकीपिंग और दौड़ने का अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा और टीम उनकी पावर-हिटिंग का फायदा उठा सकेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में नहीं खेलेंगे - चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद से होना है। हालांकि, इस मैच में धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे। टीम मैनेजमेंट उनकी फिटनेस को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता। सीएसके के सूत्रों ने कहा, धोनी अभी रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हम उनकी फिटनेस के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय दिया जा रहा है।

प्रैक्टिस सेशन में की लंबी बल्लेबाजी, रेंज हिटिंग पर फोकस - भले ही धोनी मैच नहीं खेल रहे हैं, लेकिन वे नेट प्रैक्टिस में लगातार पसीना बहा रहे हैं। धोनी ने हाल ही में नेट्स पर लंबी बल्लेबाजी की है। इस दौरान उन्होंने अपनी रेंज हिटिंगपर खास काम किया। नेट सेशन के दौरान धोनी पुराने अंदाज में लंबे छक्के लगाते दिखे, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि वे अपनी लय हासिल कर चुके हैं।

निहाल नें जीता मेनोर्का मास्टर्स रैपिड शतरंज का खिताब

मेनोर्का, स्पेन (एजेंसी)। भारतीय शतरंज ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन नें पाँचवें मेनोर्का मास्टर्स शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है , उन्होंने छह खिलाड़ियों के बीच हुए 10 राउंड के दोहरे राउंड रोबिन मुक़ाबले में 6 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया वहीं विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम चार बाज़ियों में 3 हार के चलते 4.5 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहे । निहाल नें 10 बाज़ियों के दौरान चार

बाज़ियाँ जीती जिसमें उन्होंने गुकेश के ख़िलाफ़ दोनों बाज़ियाँ जीती जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा के ख़िलाफ़ उन्होंने एक एक बाजी जीती , चार बाज़ियाँ ड्रा रही जबकि दो बाज़ियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा । यूक्रेन के रुसलान पोनोमारियोव और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमश : दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे , गुकेश नें चौथे राउंड में हरिकृष्णा , छठे राउंड में डोमिंगेज के ख़िलाफ़ जीतकर रफ़्तार पकड़ी थी पर वह उसे बरकरार नहीं रख पाये हालांकि नौवे राउंड में उन्होंने हरिकृष्णा को मात देकर तीसरी जीत दर्ज की थी , गुकेश नें कुछ दिन पहले क्लासिकल शतरंज से थोड़ा ब्रेक लेने का निर्णय लिया था और इस साल के अंत में उन्हें अब उज़्बेकिस्तान के जवोखीर सिंदारोव के ख़िलाफ़ अपने खिताब की रक्षा करने के लिए उतरना है ।

लगातार चौथी हार के बाद हार्दिक पांड्या ने दिया बड़ा बयान

कुछ कड़े फैसले लेने की जरूरत है

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार चौथी हार के बाद अपनी बात खुलकर रखते हुए कहा कि अब कुछ कड़े फैसले लेने का समय आ गया है और उनके खिलाड़ियों को टीम के खराब प्रदर्शन की

जिम्मेदारी लेनी होगी। मुंबई इंडियंस को अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा और वह केवल दो अंकों के साथ तालिका में नौवें स्थान पर है। पांड्या ने मैच के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे पास कहने के लिए अधिक कुछ नहीं है। हमें बैठकर विचार करने की जरूरत है कि हम कहां पिछड़ रहे हैं। चाहे वह व्यक्तिगत खिलाड़ी हों, टीम हो, या हमारी रणनीति और काम करने का तरीका हो। इसे फिर से ठीक करना होगा। इस तरह से पांड्या ने अप्रत्यक्ष रूप से सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन की तरफ इशारा किया। उन्होंने कहा, अब हमें यह देखना होगा कि क्या हमें कुछ कड़े फैसले लेने की जरूरत है या फिर हमें इसी तरह आगे बढ़ते हुए हालात को पलटने की कोशिश करनी चाहिए। हमें अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। सूर्यकुमार ने अब तक एक अर्धशतक बनाया है, लेकिन उनके अन्य स्कोर 16, 06, 33 और 00 रहे हैं, जबकि तिलक वर्मा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

आईपीएल में अबतक दिखा ये ट्रेंड

धीमी गेंदों को हथियार बना रहे गेंदबाज पावरप्ले में अधिक रन बनाने पर ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का पहला चरण शुरू हुए अब समय हो गया है और दो टीमों को छोड़कर अन्य टीमों ने पांच-पांच मुकाबले खेल लिए हैं। लीग चरण में 70 मैच खेले जाने हैं और टूर्नामेंट काफी लंबा है। टी20 एक ऐसा प्रारूप है जिसमें हर पल मैच का रुख बदलता रहता है। आईपीएल 2026 में अब तक 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं और टीमों की रणनीति भी स्पष्ट नजर आ रही है।

सबसे सफल टीमों का बुरा हाल

आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमश: आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं। केकेआर का तो पांच मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि मुंबई की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार चार मुकाबले गंवा चुकी है। सीएसके ने हालांकि, अपने पिछले दो मैच जीते हैं, लेकिन उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा है।

ये तीन टीमें दिख रहीं मजबूत

अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। पंजाब अब तक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। पंजाब की टीम पांच मैचों में नौ अंक लेकर शीर्ष पर मौजूद है, जबकि आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार-चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है।

सीजन के पहले 25 मैचों में दिखा है ये रुझान

- अब तक खेले गए मैचों में जो ट्रेंड सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि टीमों का ध्यान पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर है तो धीमी पिचों पर गेंदबाजों ने धीमी गेंद को ही अपना हथियार बनाया है।
- पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन की रणनीति ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं।
- मध्य ओवरों में भी टीमें अब पावरप्ले की तरह ही धुआंधार खेल रही हैं।
- पहले चरण में टीमों के 200+ स्कोर बनाने के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं।
- तेज गेंदबाज पेस-ऑफ बॉल्स (धीमी गेंद) का इस्तेमाल ज्यादा कर रहे हैं।
- रन बनाने की तेजी में 7 से 10 ओवरों के बीच ज्यादा विकेट गिर रहे हैं।

निहाल नें जीता मेनोर्का मास्टर्स रैपिड शतरंज का खिताब

मेनोर्का। भारतीय शतरंज ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन नें पाँचवें मेनोर्का मास्टर्स शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है , उन्होंने छह खिलाड़ियों के बीच हुए 10 राउंड के दोहरे राउंड रोबिन मुक़ाबले में 6 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया वहीं विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम चार बाज़ियों में 3 हार के चलते 4.5 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहे । निहाल नें 10 बाज़ियों के दौरान चार बाज़ियाँ जीती जिसमें उन्होंने गुकेश के ख़िलाफ़ दोनों बाज़ियाँ जीती जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा के खिलाफ उन्होंने एक एक बाजी जीती , चार बाज़ियाँ ड्रा रही जबकि दो बाज़ियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा । यूक्रेन के रुसलान पोनोमारियोव और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे , गुकेश नें चौथे राउंड में हरिकृष्णा , छठे राउंड में डोमिंगेज के खिलाफ जीतकर रफ़्तार पकड़ी थी।

वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अभय-रमित और जोशना हुए बाहर

नई दिल्ली। वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है। इस भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया। हालांकि, चोटरानी के हमवतन और पांचवें वरीयता प्राप्त अभय सिंह और सातवें वरीय रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया। सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉड ने

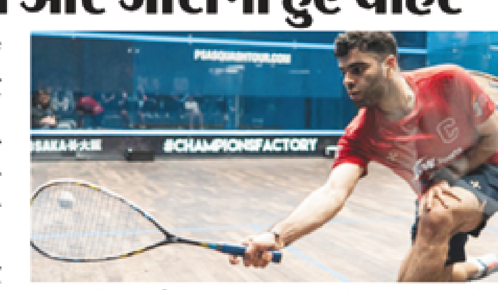

कहा, मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था। मुझे पता था कि आज का मैच मुश्किल होगा और मैंने उसके साथ पोंटेफ्रैक्ट में जो मेरा क्लब है कुछ बार ट्रेनिंग की है, इसलिए मैं उसका गेम अच्छी तरह जानता हूं क्योंकि हम कुछ बार साथ में खेले हैं।

विपराज ने कहा-स्टेट लीग के अनुभव ने बढ़ाया मेरा कॉन्फिडेंस

आईपीएल जैसे हाई-प्रेशर टूर्नामेंट में तैयारी के लिए मिलता है बहुत कम समय

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल जैसी दुनिया की सबसे तेज और हाई-प्रेशर लीग में खेलने के लिए यंग प्लेयर्स को मानसिक रूप से मजबूत होना पड़ता है। 21 साल के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी विपराज ने बताया कि इस लेवल पर परफॉर्म करने के लिए स्टेट लीग का अनुभव और प्रैक्टिस कैंप की प्लानिंग सबसे ज्यादा काम आती है। दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर विपराज निगम ने आईपीएल 2026 के राइवलरी वीक के दौरान गुरुवार को जियोस्टार प्रेस रुम में मीडिया से बात की।

प्रैक्टिस सेशन में ही मैच की प्लानिंग

विपराज ने कहा, आईपीएल एक बहुत ही फास्ट लीग है, जहां खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और खेल के बारे में सोचने के लिए बहुत कम समय मिलता है। इसी वजह से वे अपने प्रैक्टिस सेशन्स और कैंप्स के दौरान ही यह तय कर लेते हैं कि मैच में किस तरह का प्रदर्शन करना है। वे अपनी प्लानिंग के अनुसार ही प्रैक्टिस सेशन में खुद को ढालते हैं।इसके अलावा विपराज ने अपनी सफलता में स्टेट लीग की भूमिका को अहम बताया।

कौन हैं विपराज निगम?

विपराज निगम का जन्म 28 जुलाई, साल 2004 में उत्तर प्रदेश में हुआ था। आईपीएल 2025 के लिए हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स की फ्रैंचाइजी ने उन्हें 50 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था। विपराज दाहिने हाथ से बल्लेबाजी के साथ-साथ लेगब्रेक गेंदबाजी करने में माहिर हैं।

डेब्यू पर सुर्खियां बटोरीं

विपराज का डेब्यू शानदार रहा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू करते हुए रुस्त्र के खिलाफ मैच में 15 गेंदों में 39 रन की विस्फोटक पारी और एक विकेट (ऐडन मार्करम) लेकर सुर्खियां बटोरीं। विपराज ने यह पारी तब खेली जब दिल्ली कैपिटल्स 13वें ओवर में 113/6 पर थी और 210 के टारगेट का पीछा कर रही थी।

विपराज का घरेलू करियर

विपराज ने करियर की शुरुआत बतौर बैटिंग-ऑलराउंडर की थी। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अब तक 6 मैच खेले हैं। इस बीच उनको 10 पारियों में 20 विकेट लिए हैं। इसके अलावा लिस्ट में 16 मैच में 19, जबकि 31 टी-20 33 विकेट चटकाए हैं। फर्स्ट क्लास की 9 पारियों में 135, लिस्ट ए की 7 पारियों में 48 और टी-20 में 241 रन बनाए हैं।

क्रिकेट कनाडा में करप्शन को लेकर आईसीसी की जांच

टी-20 वर्ल्डकप में न्यूजीलैंड और कनाडा का मैच भी शक के दायरे में

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) क्रिकेट कनाडा से जुड़े भ्रष्टाचार के दो मामलों की जांच कर रही है। इस जांच के दायरे में हाल ही में भारत और श्रीलंका में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप का एक मैच भी शामिल है। इसके अलावा, इंटरनेशनल और घरेलू लेवल पर एंटी-करप्शन कोड के संभावित उल्लंघनों की भी पड़ताल की जा रही है। आईसीसी ने यह जांच कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी के कार्यक्रम में प्रसारित डॉक्यूमेंट्री 'करप्शन, क्राइम एंड क्रिकेट' में लगाए गए आरोपों के बाद शुरू की। 43 मिनट की इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच का एक ओवर शक के घेरे में - डॉक्यूमेंट्री में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए मैच का जिक्र किया गया है।

ईरान से जुड़े जहाजों पर अमेरिका की सख्ती, सेना को जहाज रोकने, तलाशी लेने का अधिकार दिया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी ने ईरान के बंदरगाहों की नाकाबंदी से आगे बढ़ते हुए अब दुनिया भर में तैनात उसकी सेनाओं को किसी भी ऐसे जहाज को रोकने की अनुमति दे दी है जो ईरान से जुड़ा हो या उस पर ईरान सरकार को मदद पहुंचाने वाले हथियार, तेल, धातु या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसी सामग्री ले जाने का संदेह हो। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने विशेष रूप से प्रशांत क्षेत्र में जारी अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना उन जहाजों को भी निशाना बनाएगी जो इस सप्ताह की शुरुआत में लागू नाकाबंदी से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकले थे। यह जलडमरूमध्य ऊर्जा और अन्य आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

उन्होंने अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में संवाददाताओं से कहा कि अन्य क्षेत्रों में तैनात अमेरिकी बल ईरानी झंडे वाले किसी भी जहाज या ईरान को सामग्री पहुंचाने की कोशिश करने वाले जहाज का सक्रिय रूप से पीछा करेंगे। अमेरिकी सेना ने प्रतिबंधित वस्तुओं की एक विस्तृत सूची भी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि किसी भी स्थान पर वाणिज्यिक जहाजों पर चढ़कर उनकी तलाशी ले सकती है और सामान जब्त कर सकती है। बृहस्पतिवार को जारी एक नोटिस में कहा गया कि ऐसा कोई भी सामान जो दुश्मन के लिए हो और सशस्त्र संघर्ष में इस्तेमाल किया जा सकता हो, उसे तटस्थ क्षेत्र के बाहर कहीं भी जब्त किया जा सकता है। ईरान से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने के लिए अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का यह विस्तार तेहरान पर दबाव बढ़ाने का एक और तरीका है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब युद्धविराम कुछ ही दिनों में समाप्त होने वाला है और मध्यस्थ इसकी अवधि बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। सेना की नई सूची में हथियार, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों को पूर्ण प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है। वहीं तेल, लोहा, इस्पात, एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं को शर्तीय प्रतिबंधित बताया गया है, जिनका उपयोग नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली उत्पादन उपकरण या भारी मशीनरी जैसे सामान भी जब्त किए जा सकते हैं यदि उनके सैन्य उपयोग का संदेह हो। नाकाबंदी लागू करने में 10,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगे हुए हैं। रक्षा अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि कोई जहाज भागने की कोशिश करता है तो चेतावनी के तौर पर गोली चलाई जा सकती है।

मैक्रों, स्टार्मर होर्मुज जलडमरूमध्य से निर्बाध आवागमन के मुद्दे पर शिखर सम्मेलन करेंगे

पेरिस, भाषा। होर्मुज जलडमरूमध्य से निर्बाध आवागमन के मुद्दे पर फ्रांस और ब्रिटेन के नेता शुक्रवार को कई अन्य देशों के साथ शिखर सम्मेलन करेंगे। हालांकि इसमें अमेरिका शामिल नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण तेल मार्ग है। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल युद्ध के कारण इस मार्ग से जहाजों का आवागमन बाधित है। पेरिस में होने वाली यह बैठक उन देशों के प्रयासों का हिस्सा है जो उस संघर्ष के प्रभाव को कम करना चाहते हैं, जिसे उन्होंने न तो शुरू किया और न ही उसमें शामिल हुए लेकिन इसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इस संकरे जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया था। अमेरिका इस होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री नौवहन स्वतंत्रता पहल नाम की योजना का हिस्सा नहीं है। शुक्रवार को होने वाले सम्मेलन से पहले सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा के लिए बनाया गया मिशन पूरी तरह से रक्षात्मक होगा, जो केवल गैर-युद्धरत देशों तक सीमित होगा और सुरक्षा की स्थिति अनुकूल होने पर ही तैनात किया जाएगा। मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने ईरान पर राजनयिक और आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व किया है। स्टार्मर ने ईरान पर विश्व की अर्थव्यवस्था को बंधक बनाने का आरोप लगाया है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान की कार्वाई के जवाब में ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी की घोषणा से आर्थिक संकट को और भी बढ़ा दिया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए पूरी तरह से खुला है : ईरान

तेहरान/इस्लामाबाद, भाषा। ईरान ने शुक्रवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए पूरी तरह से खुला है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लेबनान में हुए युद्धविराम के मद्देनजर, होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए मार्ग युद्धविराम की शेष अवधि के लिए पूरी तरह से खुला घोषित किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को लेबनान और इजराइल के बीच 10 दिनों के युद्धविराम की घोषणा की थी।

फील्ड मार्शल ने ईरान में वहां के राजनीतिक और सैन्य नेताओं से मुलाकात की

पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान वार्ता के अगले दौर की तैयारी शुरू की : अधिकारी

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली महत्वपूर्ण वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी की तैयारी शुरू कर दी है। यह वार्ता पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण शांति समझौते को लेकर हो रही है, जिसने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अमेरिका और ईरान ने सप्ताहांत में पाकिस्तान में अप्रत्याशित रूप से प्रत्यक्ष वार्ता की थी, जिसका उद्देश्य संघर्ष की समाप्ति था, लेकिन यह बातचीत रविवार तड़के बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। पाकिस्तान में आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि दोनों पक्षों को फिर से वार्ता की मेज पर लाने के लिए तेज कूटनीतिक गतिविधियां शुरू की गईं।

दोनों देशों द्वारा अस्थाई दो सप्ताह के युद्धविराम का पालन जारी रखने से पाकिस्तान को अपनी मध्यस्थता फिर से शुरू करने का अवसर मिला। सुलह कराने के गुप्त प्रयासों के तहत पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को तीन देशों की यात्रा पर रवाना हुए, जबकि उसी दिन फील्ड मार्शल आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे। प्रधानमंत्री शरीफ सऊदी अरब और कतर के नेताओं से चर्चा के बाद बृहस्पतिवार रात तुर्किए पहुंचे, जबकि फील्ड मार्शल ने ईरान में 24 घंटे से अधिक समय बिताकर वहां के राजनीतिक और सैन्य नेताओं से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, पाकिस्तान के असैन्य और सैन्य नेताओं की वार्ताओं के परिणाम पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन बृहस्पतिवार शाम से सुरक्षा अधिकारी अचानक सक्रिय हो गए। इस्लामाबाद के अधिकारियों के अनुसार, इस्लामाबाद और पड़ोसी रावलपिंडी में तैयारियां शुरू हो गई हैं और अन्य प्रांतों से हजारों पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवान पहुंचने लगे हैं। परंपरागत रूप से इस्लामाबाद प्रशासन बड़े सुरक्षा इंतजामों के समय प्रांतों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मांगता है। पहले दौर की वार्ता के दौरान 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। ऐसी भी खबरें हैं कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी जिलों के अधिकारियों ने परिवहन कंपनियों से संपर्क कर उन्हें सूचित किया है कि अन्य शहरों से आने वाले या दोनों शहरों से जाने वाले यातायात को भारी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक संदेश के अनुसार, एक बार लागू होने के बाद ए प्रतिबंध अगले सप्ताह के अंत तक जारी रह सकते हैं। इसमें नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अगले सप्ताह अनावश्यक यात्रा से बचें या पहले से ही अच्छी तरह योजना बना लें। अधिकारियों ने बताया कि सड़क यातायात कम करने के लिए दोनों शहरों में शैक्षणिक संस्थान बंद किए जा सकते हैं और हवाईअड्डे के आसपास के बाजार भी बंद हो सकते हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वार्ता में समझौता नहीं हो सका, क्योंकि तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने को तैयार नहीं था। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा कि उनकी टीम ने भविष्य उन्मुख पहलें रखीं, लेकिन दूसरी तरफ इस दौर में ईरानी प्रतिनिधिमंडल का भरोसा जीतने में विफल रही।

ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार ने तुर्किए में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

दुबई, भाषा।। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अरब और पश्चिम एशियाई मामलों के वरिष्ठ सलाहकार ने शुक्रवार को तुर्किए के रिसॉर्ट शहर अंताल्या में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। शरीफ के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि मसाद बोलस ने प्रधानमंत्री को ट्रंप की ओर से शुभकामनाएं दीं और क्षेत्रीय स्थिरता में पाकिस्तान के रचनात्मक योगदान की सराहना की। बयान में कहा गया, दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की, जिसमें पाकिस्तान के शांति प्रयासों पर भी बात हुई, जिनके कारण युद्धविराम हुआ, साथ ही ऐतिहासिक इस्लामाबाद वार्ता पर भी चर्चा हुई।

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की आंख की सर्जरी की गई

इस्लामाबाद, भाषा।। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की दाहिनी आंख की सर्जरी रावलपिंडी के एक निजी अस्पताल में की गई है। जेल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अल-कादिर ट्रस्ट मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद बुशरा बीबी रावलपिंडी की अदियाला जेल में सात साल की सजा काट रही हैं। इसी मामले में सजा सुनाए जाने के बाद इमरान खान को भी अदियाला जेल में रखा गया है। जेल अधिकारियों के बयान के अनुसार, बुशरा बीबी ने दाहिनी आंख की रोशनी कम होने की शिकायत की थी, जिसके बाद नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा उनकी तुरंत जांच की गई। जेल अधीक्षक के हवाले से बयान में कहा गया कि उनकी दाहिनी आंख में रेटिना डिटैचमेंट (रेटिना का अलग होना) पाया गया, जिसके बाद चिकित्सकों ने सर्जरी की सलाह दी। बयान में कहा गया कि बृहस्पतिवार रात उन्हें रावलपिंडी के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी चिकित्सकीय जांच की गई।

भारत के राजदूत क्वात्रा ने अमेरिकी सांसद सेशंस से मुलाकात की

» **वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिकी सांसद पीट सेशंस के साथ पारस्परिक राष्ट्रीय हितों के मुद्दों पर बातचीत की और दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी के लिए उनके समर्थन की सराहना की। क्वात्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति (हाउस ओवरसाइट कमेटी) की सरकारी परिचालन उपसमिति के अध्यक्ष सांसद पीट सेशंस के साथ दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर आज अच्छी बातचीत हुई। भारत एवं अमेरिका के बीच साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए उनके अटूट समर्थन की सराहना करता हूं।**

सेशंस प्रतिनिधि सभा की वित्तीय सेवा समिति के भी वरिष्ठ सदस्य हैं। क्वात्रा ने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन से भी पहले मुलाकात की थी। ये बैठकें ऐसे समय में हुई हैं, जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के बारीक पहलुओं पर बातचीत कर रहे हैं। फरवरी में भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिए जाने की घोषणा की थी। उस रूपरेखा के अनुसार, अमेरिका भारत के लिए शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमत हुआ था।

इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर हेलीकॉप्टर दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

जकार्ता, भाषा। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर बागानों के बीच उड़ान भर रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम कालीमंतन प्रांत के मेलावी जिले से बृहस्पतिवार को उड़ान भरने के पांच मिनट बाद पीटी मैथ्यू एयर नुसंतारा के स्वामित्व वाले एयरबस एच130 विमान से संपर्क टूट गया। यह विमान कुबु राया जिले में स्थित ताड़ के तेल के एक बागान की ओर जा रहा था। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी और परिवहन मंत्रालय के अनुसार, खोजकर्ताओं ने बाद में सेकाडाऊ जिले के घने जंगलों में मलबे का पता लगाया और दो चालक दल के सदस्यों और छह यात्रियों के शव बरामद किए।

ट्रंप ने एरिका श्वार्ट्ज को सीडीसी निदेशक के रूप में नामित किया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व डिप्टी सर्जन जनरल एरिका श्वार्ट्ज को रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की अगली निदेशक के रूप में नामित किया है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर श्वार्ट्ज को अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली बताया और कहा, वह एक स्टार हैं। सीडीसी एक सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है जो अमेरिकियों को स्वास्थ्य से जुड़े खतरों से बचाने का दायित्व संभालती है। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से इस एजेंसी में नेतृत्व को लेकर उथल पुथल रही है।

यह एजेंसी अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की निगरानी में काम करती है। प्रशासन की ओर से सीडीसी के प्रमुख के रूप में पहली पसंद फ्लोरिडा से पूर्व सांसद डॉ. डेविड वेल्डन थे, लेकिन मार्च 2025 में सीनेट में उनके नाम की पुष्टि संबंधी सुनवाई शुरू होने से एक घंटे पहले ही इसे रद्द कर दिया गया था। वेल्डन ने उस समय कहा था कि उन्हें बताया गया था कि उनके पक्ष में मतदान करने को पर्याप्त सीनेटर तैयार नहीं थे। इसके बाद व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने सुसन मोनारेज को नामित किया जो सीडीसी की कार्यवाहक निदेशक के रूप में कार्यरत थीं। मोनारेज की नियुक्ति सीनेट द्वारा अनुमोदित हो गई लेकिन एक महीने से भी कम समय में उन्हें पद से हटा दिया गया। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि वह उनके एजेंडे के अनुसार काम नहीं कर रही थीं इसलिए उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। तब से, एजेंसी के नेतृत्व में लगातार बदलाव हो रहे हैं। पिछले कई हफ्तों से राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक जय भट्टाचार्य सीडीसी का जिम्मा संभाल रहे हैं। कैनेडी ने कहा कि सीडीसी की नई टीम असाधारण है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह नई टीम सीडीसी में क्रांतिकारी बदलाव लाने और इसे फिर से पटरी पर लाने में सक्षम होगी। श्वार्ट्ज के पास चिकित्सा और कानून की डिग्री सहित कई शैक्षणिक योग्यताएं हैं। वह सेना में कार्यरत रहीं। उन्होंने अमेरिकी तटरक्षक बल में नेतृत्व पद भी संभाला, जहां उन्होंने संगठन के 41 क्लीनिक और मरीजों के 150 कक्षों की प्रणाली की देखरेख की। बाद में उन्होंने डिप्टी सर्जन जनरल के रूप में भी सेवाएं दीं।

मेरे मित्र मोदी से बातचीत बहुत अच्छी रही: ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उनकी अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। ट्रंप ने मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत का जिक्र करते हुए यहां संवाददाताओं से कहा, मेरी उनसे बहुत अच्छी बातचीत हुई। वह मेरे मित्र हैं और बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। ट्रंप ने मंगलवार को मोदी को फोन कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की थी और पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार साझा किए थे, जहां अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ा है। अमेरिका और ईरान ने सात अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की थी। इस युद्ध के कारण गैस के दाम बढ़ गए हैं।

दरअसल ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री मार्ग बंद कर दिए हैं। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम संकरा रास्ता है। ट्रंप और मोदी के बीच मंगलवार को बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला एवं सुरक्षित बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के अनुसार, 40 मिनट तक चली बातचीत का समापन ट्रंप ने मोदी से यह कहते हुए किया, हम सब आपसे प्यार करते हैं। मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत, 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल युद्ध शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच दूसरी बातचीत थी।

ट्रंप ने दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने पर संधू को दी बधाई

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजनयिक तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने पर शुक्रवार को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर कहा, दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाए जाने पर तरनजीत संधू को बधाईउ एक अनुभवी राजनयिक और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत के रूप में उन्होंने अमेरिका एवं भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रति हमेशा गहरी प्रतिबद्धता दिखाई। संधू 2020 से 2024 तक अमेरिका में भारत के राजदूत रहे। ट्रंप ने कहा, दिल्ली की प्रगति का नेतृत्व करने और वैश्विक संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सफलता की कामना करता हूं।

गैस पाइपलाइन में विस्फोट, आठ की मौत

पेशावर (पाकिस्तान), भाषा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के एक औद्योगिक क्षेत्र में बृहस्पतिवार को गैस पाइपलाइन में विस्फोट होने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान में आपातकालीन सेवा मुहैया कराने वाले रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना हरिपुर जिले के हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट में हुई। रेस्क्यू 1122 के सूत्रों के अनुसार, यह विस्फोट ग्रैंड ट्रंक रोड के पास एक कारखाने के निकट हुआ, जहां गैस पाइपलाइन में हुए जोरदार धमाके के बाद भीषण आग लग गई।

दिल्ली में बनेंगे 1000 स्मार्ट सार्वजनिक शौचालय, सफाई के साथ कियोस्क सुविधा भी

नई दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय राजधानी में जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से लैस सार्वजनिक शौचालय देखने को मिलेंगे, जहां स्वच्छता के साथ-साथ रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की बिक्री करने वाले कियोस्क भी होंगे। यह ऐसा मॉडल होगा जिसमें शौचालय सिर्फ बने ही नहीं, बल्कि उनकी सफाई और देखभाल का खर्च भी खुद निकलता रहे। एक सूत्र ने बताया कि दिल्ली सरकार अगले एक वर्ष में शहरभर में ऐसे करीब1,000 सार्वजनिक शौचालय स्थापित करने की योजना बना रही है। खासतौर पर भीड़भाड़ वाले बाजारों, व्यस्त इलाकों और तंग क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। सूत्र ने बताया, इसका उद्देश्य पुराने खुले या बदहाल शौचालयों की जगह बेहतर डिजाइन वाले, सुविधाजनक और उपयोगी आधुनिक शौचालय उपलब्ध कराना है। इस परियोजना को दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम द्वारा लागू किया जाएगा। सूत्र ने कहा कि निर्माण के साथ-साथ इन सुविधाओं के दीर्घकालिक रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए सुव्यवस्थित योजना तैयार की जा रही है।

इस मॉडल की सबसे खास बात यह है कि शौचालय परिसर के भीतर छोटे कियोस्क भी होंगे, जहां मूलभूत सुविधा वाली जरूरी वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी। दिल्ली की सार्वजनिक स्वच्छता व्यवस्था में यह नया प्रयोग होगा। सूत्र के अनुसार, इन कियोस्क का संचालन शौचालय का देखरेखकर्ता ही करेगा, जिससे वह स्थल पर लगातार मौजूद रहेगा और शौचालय को बिना निगरानी छोड़ेगा नहीं। इससे सफाई व्यवस्था, रखरखाव और निगरानी बेहतर होगी। सूत्र ने बताया कि प्रस्तावित शौचालयों में हवा की बेहतर व्यवस्था, आधुनिक डिजाइन और लकड़ी व ग्रिल के आकर्षक मिश्रण वाला ढांचा होगा, जो इन्हें आकर्षक रूप देगा। इनका निर्माण ऐसा होगा कि वे टिकाऊ होने के साथ शहर के आधुनिक परिवेश के अनुरूप भी दिखें।उन्होंने बताया कि चांदनी चौक, सरोजिनी नगर मार्केट जैसे व्यस्त बाजारों सहित दिल्ली के कई हिस्सों में इन्हें विकसित किया जाएगा, जहां स्वच्छता सुविधाओं पर अक्सर दबाव रहता है।

समीक्षा : स्पेसएक्स का विलय एआई चैटबॉट ग्रोकैविकसित करने वाली कंपनी एक्सएआई के साथ हुआ

मस्क की स्पेसएक्स सबसे बड़ा आईपीओ लाने की राह पर, नियमों में ढील पर भी सवाल

» एडिलेड, भाषा।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की अंतरिक्ष अन्वेषण कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी नैस्डैक स्टॉक एक्सचेंज में संभावित सार्वजनिक निर्गम से पहले गोपनीय दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) करीब दो लाख करोड़ डॉलर के मूल्यांकन का लक्ष्य रखता है। योजना के तहत मस्क कंपनी का केवल एक छोटा हिस्सा सार्वजनिक निवेशकों को बेचेंगे, जिससे लगभग 75 अरब डॉलर जुटाने की कोशिश होगी। यदि यह सफल होता है, तो यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है।

निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स की स्थापना 2002 में एलन मस्क ने की थी। कंपनी ने रॉकेट और प्रक्षेपक वाहनों के पुनः उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को काफी कम कर दिया, जिससे वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ानें संभव हो सकीं। कंपनी ने अबतक लगभग 600 सफल रॉकेट लैंडिंग का दावा किया है। अंतरिक्ष अभियानों के बावजूद स्पेसएक्स का 50 से 80 प्रतिशत राजस्व स्टारलिंक से आता है, जो एक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है और यह कंपनी दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं को सेवा दे रही है। फरवरी 2026 में स्पेसएक्स का विलय एआई चैटबॉट ग्रोकैविकसित करने वाली कंपनी एक्सएआई के साथ हुआ। यह अब तक का सबसे बड़ा निजी विलय सौदा माना गया, जिसमें एक्सएआई का मूल्यांकन 250 अरब डॉलर और स्पेसएक्स का एक लाख करोड़ डॉलर आंका गया। इस विलय के बाद संयुक्त इकाई का मूल्य सवा लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया और आईपीओ के लिए रास्ता तैयार हो सका। रिपोर्ट के अनुसार, इस आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर डेटा संबंधी उपग्रह प्रक्षेपित करने में किया जा सकता है, जो सौर ऊर्जा से संचालित होंगे और पृथ्वी पर बिजली और पानी की सीमाओं से मुक्त होंगे। स्पेसएक्स का यह आईपीओ इस साल की तीन बड़ी संभावित सूचीबद्धता में से एक हो सकता है, जिनमें एआई कंपनियां एन्थ्रॉपिक और ओपनएआई भी शामिल हैं। यदि स्पेसएक्स 75 अरब डॉलर जुटाता है, तो यह उसके कुल मूल्य का केवल 3.75 प्रतिशत होगा। इसका मतलब है कि कंपनी का अधिकांश हिस्सा निजी हाथों में रहेगा, मुख्यतया एलन मस्क और शुरुआती निवेशकों के पास। जब किसी कंपनी के बाजार में उपलब्ध शेयरों की संख्या आम जनता के लिए कम होती है, तो उसे लो फ्री फ्लोट कहा जाता है। आमतौर पर इतनी कम फ्री फ्लोट वाली कंपनियां प्रमुख सूचकांकों जैसे नैस्डैक 100 में शामिल नहीं होतीं, लेकिन स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए नैस्डैक ने नियमों में ढील दी है और 10 प्रतिशत फ्री फ्लोट की अनिवार्यता हटा दी है। साथ ही नए सूचीबद्ध शेयरों के इंडेक्स में शामिल होने की अवधि को तीन महीने से घटाकर केवल 15 कारोबारी दिन कर दिया गया है। बदलाव यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं कि स्पेसएक्स जैसी बड़ी कंपनियां जल्दी से प्रमुख सूचकांकों में शामिल हो सकें। दुनिया भर में 600 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक धन नैस्डैक 100 जैसे इंडेक्स-आधारित कोष में निवेश किया गया है।

केरल में भीषण गर्मी को लेकर लोग सतर्कता बरतें: स्वास्थ्य मंत्री वीणा जार्ज

तिरुवनंतपुरम, (भाषा)। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर लोगों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। हाल के दिनों में केरल में हीटस्ट्रोक (लू लगने) की कई घटनाएं सामने आई हैं। मंत्री ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने प्रमुख अस्पतालों में विशेष हीटस्ट्रोक क्लिनिक स्थापित किए हैं। इन क्लिनिक में शीतलन (कूलिंग) की सुविधाएं और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही गर्मी से संबंधित बीमारियों की निगरानी प्रणाली को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण के मद्देनजर, विशेष रूप से पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न तीन बजे के बीच लोगों को सीधे धूप में जाने से बचना चाहिए। मंत्री ने चेतावनी दी कि लंबे समय तक तेज धूप में रहने से हीटस्ट्रोक और अन्य गर्मी जनित बीमारियां हो सकती हैं। वीणा जॉर्ज ने कहा, बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। जो लोग बाहर काम करते हैं, उन्हें अपने काम के समय को सुबह जल्दी या शाम के समय में पुनर्निर्धारित कर लेना चाहिए।

दिल्ली में ब्रिगेडियर से मारपीट के मामले में चार और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (भाषा)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत एन्क्लेव इलाके में सेना के एक ब्रिगेडियर और उनके बेटे से कथित तौर पर मारपीट करने एवं उनकी पत्नी को धमकी देने के मामले में चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों की पहचान सुरजीत सिंह (36), सुनील शर्मा (53), आशीष (32) और सतेंद्र (35) के रूप में हुई है। सुरजीत, सुनील और आशीष सभी दिल्ली के मेहरम नगर के निवासी हैं और सतेंद्र हरियाणा के भिवानी का निवासी है। पुलिस के अनुसार, सुरजीत सिंह मुख्य आरोपी सतेंद्र का परिचित है। सतेंद्र एक विमानन कंपनी का निदेशक है। पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपी मेहरम नगर में एक साथ बैठे थे, तभी सतेंद्र ने वसंत एन्क्लेव में हुए झगड़े के सिलसिले में उन्हें फोन किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, फोन आने के बाद आरोपी सुरजीत की सफेद रंग की कार में घटनास्थल के लिए रवाना हुए। वहां पहुंचने के बाद उन्होंने कहासुनी एवं मारपीट की और फिर वे अपने-अपने घर लौट गए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com